RADIANT ACADEMY
(AFFILIATED TO CBSE)
B-180, sector-55, noida Ph: 120-4314312/ 6514636
Mob. : 9350251631/ 9674710772 E-mail: radiantacademynoida@yahoo.com
RADIANT ACADEMY
(J.H.S.) (AFFILIATED TO CBSE)
Sorkha, Sector- 115, noida on Fng Ph: 120- 6495106,
Mob. : 9873314814/ 9674710772 E-mail: radiantacademysorkha@yahoo.com
Let your child Explore the world with us in a Secure Environment!
We are a Co-Educational Medium Senior Secondary School
imparting quality education since the last 20 years.
FROM ADMISSION OPEN NURSERY TO CLASS XI Transport Facility Available
FACILITIES AVAILABLE AT SCHOOL : ●Highly Qualified And Trained Faculty
well Quipped Labs ●CCTV Controlled Environment ●Activity Based Learning
● Well Equipped Library ●GPS Enable Buses

आज की खबर आज ही

जनाकांक्षाओं का सजग प्रहरी

चेतना मंच

पेज 7 अकादमी खोलने का सपना ...

वर्ष : 27 | अंक : 244 | website:www.chetnamanch.com | नोएडा, शनिवार, 23 अगस्त, 2025 | Chetna Manch | Chetna Manch | मूल्य 2.00 रु. | पेज: 8

चमोली में बादल फटा

थराली गाँव में तबाही

मलबे में दबे मकान व गाड़ियां, सेना बचाव कार्य में जुटी

देहरादून (एजेंसी)। उत्तराखंड 7 22-23 अगस्त की मध्यरात्रि (लगभग 1-2 बजे) उत्तराखंड के चमोली जिले में रुद्रप्रयाग से लगभग 75 किलोमीटर दक्षिण-पूर्व में स्थित थराली गाँव में बादल फटा है। प्रारंभिक रिपोर्टों से प्रभावित क्षेत्र में घरों और वाहनों को नुकसान पहुँचा है। एक बच्ची के लापता होने की सूचना मिली है। भारतीय सेना ने लगभग 50 कर्मियों वाली इन्फैंट्री बटालियन की एक टुकड़ी 23 अगस्त की सुबह रुद्रप्रयाग से रवाना की। इसके अतिरिक्त, जोशीमठ से एक चिकित्सा दल को तैनात किया गया है, और जीवित बचे लोगों का पता लगाने और राहत प्रदान करने में सहायता के लिए निगरानी ड्रोन के साथ खोज एवं बचाव (SAR) कुत्तों को घटनास्थल पर भेजा जा रहा है। यहां बादल फटने से तबाही हुई है।

उत्तराखंड के चमोली जिले के थराली क्षेत्र में शुक्रवार की आधी रात के बाद बादल फटने की घटना ने भारी तबाही मचाई है। (शेष पृष्ठ-3 पर)

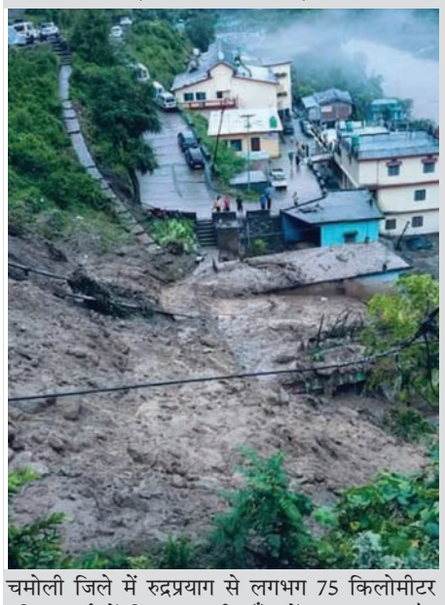

स्कूल और आंगनबाड़ी बंद

जिला प्रशासन ने सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए थराली तहसील के सभी स्कूलों और आंगनबाड़ी केंद्रों को शनिवार (23 अगस्त 2025) के लिए बंद रखने का आदेश दिया है। जिलाधिकारी डॉक्टर संदीप तिवारी ने बताया कि पुलिस और प्रशासन की टीमें लगातार मौके पर मौजूद हैं और राहत एवं बचाव कार्य में तेजी से जुटी हैं।

अनिल अंबानी के घर सीबीआई का छापा

करोड़ों के बैंक लोन फ्रॉड मामले में एक्शन

मुंबई (एजेंसी)। बैंक धोखाधड़ी मामले में आरकॉम और उद्योगपति अनिल अंबानी से जुड़े परिसरों की सीबीआई तलाशी ले रही है। अधिकारियों ने बताया कि सीबीआई ने कथित बैंक धोखाधड़ी के सिलसिले में शनिवार को रिलायंस कम्युनिकेशंस के खिलाफ मामला दर्ज किया और उसके परिसरों की तलाशी ली। ईडी के बाद अब सीबीआई ने अनिल अंबानी पर शिकंजा कसा है। अनिल अंबानी से जुड़े 6 स्थानों पर सीबीआई छापे मार रही है। सीबीआई की टीम ने मुंबई में अनिल अंबानी के घर भी छापा मारा है। इस कार्रवाई के दौरान अनिल अंबानी परिवार के साथ घर में मौजूद थे।

इस धोखाधड़ी से भारतीय स्टेट बैंक को 2,000 करोड़ रुपये से अधिक का नुकसान हुआ है। उन्होंने बताया कि एजेंसी आरकॉम और उसके प्रमोटर निदेशक अनिल अंबानी से जुड़े परिसरों की तलाशी ले रही है। (पृष्ठ-3 पर)

'मेरी हत्या हुई तो अखिलेश यादव जिम्मेदार होंगे'

चायल की विधायक पूजा पाल ने जताई अपनी हत्या की आशंका

लखनऊ (एजेंसी)। यूपी में कौशांबी जिले की चायल विधानसभा सीट से विधायक पूजा पाल ने समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव को चिट्ठी लिखी है। इस चिट्ठी में उन्होंने अपनी हत्या की आशंका जताई है। उन्होंने साफ कहा है कि यदि मेरी हत्या होती है तो इसके लिए समाजवादी पार्टी और अखिलेश यादव जिम्मेदार होंगे।

पूजा पाल ने अपनी चिट्ठी में उल्लेख किया है कि उन्होंने जीवन का सबसे बड़ा लक्ष्य हासिल कर लिया है। उनके पति की हत्या के दोषियों को सजा मिल चुकी है. उन्होंने लिखा, मैंने अपना वास्तविक लक्ष्य प्राप्त कर लिया है, मेरे पति के हत्यारों को सजा मिल गई है। अब मुझे मौत भी मिले तो भी गर्व ही होगा।

पत्र के अंतिम हिस्से में उन्होंने गंभीर आरोप लगाते हुए लिखा कि अखिलेश यादव ने उन्हें बीच रास्ते में अपमानित करके छोड़ दिया है। इस कारण समाजवादी पार्टी के अपराधी समर्थकों का मनोबल काफी बढ़ गया है और ठीक वैसे ही जैसे उनके पति की हत्या हुई थी, वैसे ही उनकी हत्या भी हो सकती है।

पूजा पाल ने पत्र में कहा, यदि ऐसा होता है तो मैं सरकार और प्रशासन से मांग करती हूं कि मेरी हत्या की वास्तविक दोषी समाजवादी पार्टी और अखिलेश यादव को ही माना जाए।

सुपरनोवा बिल्डिंग से गिरकर युवक की मौत

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा की हाई राइज सोसाइटी सुपरनोवा की 32वीं मंजिल से गिरकर एक युवक की संदिग्ध स्थिति में मौत हो गई है। युवक दिल्ली का रहने वाला बताया जा रहा है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

नोएडा पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक दिल्ली के हौजखास का रहने वाला रवि 20 अगस्त को अपने घर से झगड़ा करने के बाद गायब हो गया था। इस मामले में रवि के परिजनों ने दिल्ली में रवि की गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई थी। बताया जा रहा है कि रवि घर से गायब होने के बाद नोएडा (शेष पृष्ठ-3 पर)

ट्रक व बस की टक्कर से दो लोगों की मौत

नोएडा (चेतना मंच)। जनपद में वाहन चालकों की लापरवाही निर्दोष लोगों पर भारी पड़ रही है। लापरवाह वाहन चालकों की वजह से आए दिन लोगों की जान जा रही है। अलग-अलग स्थानों पर लापरवाह वाहन चालकों की वजह से तीन लोगों की दुर्घटनाओं में मौत हो गई।

दुर्घटना में ऊबर बाइक पर बैठा युवक मरा

मूल रूप से जनपद मधेपुरा बिहार निवासी मोहम्मद राजा अपने भाई मोहम्मद रियासत के साथ थाना फेस 3 क्षेत्र के गाड़ी चौखंडी गांव में किराए पर रह रहे हैं। दोनों भाई मजदूरी कर अपना जीवन यापन कर रहे थे 19 अगस्त को मोहम्मद रियासत घर से बाहर खाने का सामान लेने के लिए गया था। इसके बाद वह वापस नहीं लौटा। मोहम्मद राजा ने बताया कि उसने अपने भाई की तलाश की तो पता चला कि उसके भाई को ट्रक चालक ने टक्कर मार दी थी। चालक ट्रक को मौके पर छोड़कर फरार हो गया था। गंभीर रूप से घायल हुए मोहम्मद रियासत को पुलिस ने सेक्टर-39 स्थित जिला अस्पताल में भर्ती कराया था। जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया था। मोहम्मद राजा ने अज्ञात ट्रक चालक के खिलाफ थाना फेस 3 में मुकदमा दर्ज कराया है। (शेष पृष्ठ-3 पर)

विधायक पहुंचे हाउसिंग सोसायटी, सुनी समस्याएं

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा के गांव के दौरों के बाद अब नोएडा के विधायक पंकज सिंह ने अपना रुख सेक्टरों तथा हाउसिंग सोसायटी की ओर किया है। इसी क्रम में उन्होंने आज नोएडा की 10 प्रमुख ग्रुप हाउसिंग सोसायटी का दौरा किया तथा लोगों की समस्याएं सुनी।

उन्होंने आज सुबह सेक्टर-70 स्थित पैनओएसिस सोसायटी, सेक्टर-79 स्थित विविटेक स्टेडियम सेक्टर-78 में आदित्य कासा सेक्टर-79 में सिक्का तथा एलिट गोल्फ सोसाइटी में एओए के पदाधिकारी तथा सेक्टरवासियों की समस्याएं सुनी तथा उनके समाधान का आश्वासन दिया। (शेष पृष्ठ-3 पर)

पुलिस चेकिंग के दौरान बदमाश से मुठभेड़

एटीएम बूथ के कार्ड रीडर पर लगा देता था फेवीक्विक

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। एटीएम बूथ पर भोले भाले लोगों को अपने जाल में फंसाकर धोखे से पैसे निकालने वाले गिरोह के एक सदस्य को पुलिस मुठभेड़ में गोली लगी है। थाना ईकोटेक-3 पुलिस ने इसके पास से तमंचा, कारतूस, तीन एटीएम कार्ड व घटना में प्रयुक्त बाइक बरामद की है।

सेंट्रल जोन के डीसीपी शक्ति मोहन अवस्थी ने बताया कि पुलिस टीम यामाहा कट के पास चैकिंग कर रही थी। बाइक पर आ रहा एक युवक पुलिस को देखकर भागने लगा। पुलिस टीम ने उसका पीछा किया। हड़बड़ी में बाइक

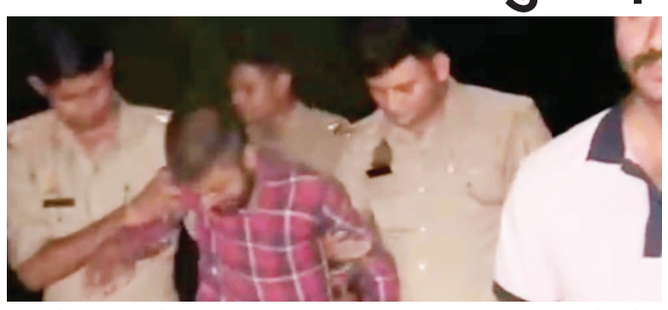

स्लिप होकर गिर गई इसके बाद पुलिस ने बाइक सवार को घेर लिया। खुद को घिरा देखकर उसने पुलिस पर फायरिंग कर दी। जवाबी कार्रवाई में बदमाश के पैर में गोली लगी और वह घायल हो गया जिसके बाद पुलिस ने उसे दबोच लिया।

डीसीपी ने बताया कि पकड़े गए बदमाश की पहचान सनी उर्फ नितेश बाबू पुत्र वीर सिंह यादव निवासी ग्राम लहरपुर औरैया के रूप में हुई। आरोपी हाल में मामूरा गांव में रह रहा है इसके पास से तमंचा कारतूस विभिन्न बैंकों के तीन एटीएम कार्ड व बाइक बरामद हुई। उन्होंने बताया कि पकड़ा गया सनी उर्फ नितेश एटीएम में घुसकर (शेष पृष्ठ-3 पर)

भाजपा ही किसानों की सच्ची हितैषी है : कामेश्वर सिंह

नोएडा (चेतना मंच)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी तथा उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के कुशल नेतृत्व में किसानों का विकास तथा उनका मान-सम्मान चरम पर है। किसानों की खातिर प्रधानमंत्री ने अमेरिका के साथ अपने संबंधों की बलि चढ़ा दी है। लेकिन वे झुके नहीं। यह बात कही भारतीय जनता पार्टी किसान मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष कामेश्वर सिंह ने। वे भाजपा किसान मोर्चा के अध्यक्ष ओमवीर अवाना के सेक्टर-26 स्थित आवास पर सांगठनिक समीक्षा के दौरान संबोधित कर रहे थे। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि सरकार ने किसानों को हर वर्ष 6 हजार का मानधन योजना शुरू कर किसानों को आर्थिक ताकत प्रदान की है। इसके पूर्व किसी भी सरकार ने किसानों को बारे में कभी नहीं सोचा। (शेष पृष्ठ-3 पर)

सेक्टर-8, 11 व 12 में 25 से शुरू होगी जलाशयों की सफाई

नोएडा (चेतना मंच)। 25 अगस्त से 4 सितंबर तक सेक्टर-8, 11 एवं 12 के अपर जलाशय एवं भूमिगत जलाशयों की सफाई होगी। इस दौरान इन सेक्टर में जल की आपूर्ति कब दबाव पर रहेगी। इस आशय की जानकारी जल विभाग के खंड-1 के वरिष्ठ प्रबंधक अशोक कुमार ने दी है। सेक्टर-11, 12 तथा 8 के आरडब्ल्यूए को लिखे पत्र में अशोक कुमार ने बताया कि इन जलाशयों में काफी दिनों से सफाई नहीं हुई है। इसलिए इन सभी जलाशयों की सफाई 25 अगस्त से शुरू होगी जो 11 दिनों तक चलेगी। इस दौरान पानी की आपूर्ति कम दबाव पर रहेगी जिसके कारण यदि कहीं पर कोई परेशानी होती तो वह अपने इलाकों में टैंकर की सेवाएं ले सकते हैं। उन्होंने कहा कि इस संबंध में सभी आरडब्ल्यूए को पूर्व बता दिया गया है।

दागी पार्किंग ठेकेदारों पर प्राधिकरण ने कसा शिकंजा

वर्क सर्किल-1 में सेक्टर-1, 3 व 5 के टेंडर निरस्त, नये टेंडर जारी

एजेंसी ने एफआईआर दर्ज होने की बात छिपाई थी

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा प्राधिकरण के ट्रैजिक सेल यानी (एनटीसी) ने अब दागी ठेकेदारों पर शिकंजा कसना शुरू कर दिया है। इसी कड़ी में वर्क सर्किल-1 के तहत वर्क सर्किल एक की ओर से भूमिगत पार्किंग का टेंडर जारी कर तकनीकी व फाइनेंशियल बिड खोलने के बाद टेंडर को निरस्त कर दिया है।

आरोप है कि चयनित एजेंसी की ओर से प्राधिकरण में जमा कराए अपने चरित्र प्रमाण पत्र में एफआईआर दर्ज होने की बात को छिपाया है। इसलिए सर्किल ने एक, तीन, पांच की भूमिगत पार्किंग के लिए नया टेंडर जारी कर दिया है।

बता दें कि नोएडा ट्रैफिक सेल (एनटीसी) की ओर से शहर में व्यवस्थित पार्किंग के लिए 54 स्थानों पर सरफेस पार्किंग का दो बार टेंडर जारी किया है। पहली बार में 17 एजेंसियों ने आवेदन किया, लेकिन सभी एजेंसियों चरित्र प्रमाण पत्र में फेल हो गई। कुछ तो प्राधिकरण में 23 करोड़ रुपये से अधिक का बकाया नहीं चुका पाने में डिफाल्टर श्रेणी में खड़ी हो गई, जिन्हें बाहर का रास्ता दिखाया गया। दूसरी बार टेंडर में 12 एजेंसियों ने आवेदन किया, स्थिति पूर्व की भांति रही। अब तीसरी बार टेंडर जारी किया गया है। इसी सप्ताह उसको खोला जाना है। वहीं पिछले दिनों सेक्टर एक, तीन, पांच में भूमिगत पार्किंग के लिए वर्क सर्किल एक ने टेंडर निकाला था, जिसकी तकनीकी बिड में पांच से अधिक एजेंसियों आवेदन किया। (शेष पृष्ठ-3 पर)

पद के अयोग्य

केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने संविधान के 130वें संशोधन वाले विधेयक लोकसभा में पेश किए। उनमें गंभीर और विवादास्पद प्रावधान किए गए हैं। दरअसल संविधान का बुनियादी सिद्धांत है कि जब तक किसी आरोपित को अदालत अपराधी या दोषी करार न दे, तब तक आरोपित व्यक्ति 'मासूम' है, 'निर्दोष' है, लेकिन प्रस्तावित बिल का विषय है कि कोई प्रधानमंत्री, केंद्रीय मंत्री, मुख्यमंत्री, राज्य सरकार का मंत्री 30 दिन हिरासत में रहता है, तो 31वें दिन वह संवैधानिक पद के 'अयोग्य' हो जाएगा। उसे इस्तीफा देना पड़ेगा अथवा बर्खास्त कर दिया जाएगा। इन प्रावधानों को विपक्ष ने संविधान-विरोधी, न्याय-विरोधी और मौलिक अधिकार-विरोधी करार दिया है, लिहाजा कुछ विपक्षी सांसदों ने बिल की प्रतियां फाड़ी हैं और उन्हें सत्ता पक्ष की तरफ फेंका है। इसे 'राक्षसी बिल' भी करार दिया गया है। गृहमंत्री की दलील है कि यह बिल सरकार और राजनीति में नैतिकता और शुद्धिकरण के मद्देनजर लाया गया है। यह अर्द्धसत्य है, क्योंकि भाजपा में ऐसे कई नेता शामिल किए गए, जिन पर गंभीर आपराधिक मामले चल रहे थे, लेकिन बाद में एजेंसियों ने उन्हें धूमिल कर दिया। ऐसे नेता मुख्यमंत्री, सांसद, विधायक हैं। बहरहाल संसद में हंगामे और विरोध को देखते हुए संविधान संशोधन बिल संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) को भेजने की घोषणा की गई। समिति में 21 सांसद लोकसभा और 10 सांसद राज्यसभा के होंगे। बेशक अधिक सांसद सत्ता पक्ष के होंगे, लिहाजा बुनियादी बिल में ज्यादा संशोधनों की अपेक्षा नहीं करनी चाहिए। जेपीसी को संसद के शीत सत्र के पहले दिन तक रपट सौंपने को कहा गया है। विषय का विश्लेषण करने से पूर्व एडीआर की रपट गौरतलब है कि 2024 के संसदीय चुनाव में जो सांसद लोकसभा के लिए चुने गए थे, उनमें से करीब 46 फीसदी पर गंभीर आपराधिक मामले दर्ज हैं। 2009 में यह औसत 30 फीसदी था। सर्वोच्च अदालत के 'न्यायालय मित्र' ने उसे बताया है कि सांसदों और विधायकों के खिलाफ करीब 5000 आपराधिक मामले अब भी लंबित हैं। इस डाटा के मद्देनजर भी ऐसा संविधान संशोधन बिल संसद में पेश करना अपेक्षित और स्वीकार्य नहीं है। दरअसल केंद्र और राज्य सरकारों की अलग-अलग भूमिकाएं संविधान में तय की गई हैं। उनके अधिकार भी तय किए गए हैं। संघीय ढांचे पर आघात नहीं किया जा सकता। केंद्र सरकार 'पुलिस स्टेशन' की भूमिका में नहीं आ सकती। संभव है कि बिल बनाते हुए दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री केजरीवाल का उदाहरण केंद्र सरकार और अधिकारियों के मानस में रहा होगा! केजरीवाल को 177 दिन तक जेल में रखा गया। उनके खिलाफ न तो आरोप अदालत में तय हुए और न ही किसी अदालत ने उन्हें 'दोषी' करार दिया। ऐसे कानूनों में संशोधन किया जाना चाहिए। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को 5 माह तक जेल में बंद रखा गया। अंततः उन्हें जमानत मिली, लेकिन आज तक उनके खिलाफ कोई भी आरोप साबित नहीं किया जा सका है। दिल्ली सरकार के मंत्री रहे सत्येन्द्र जैन को 2 साल से अधिक समय तक जेल में रखा गया। अंततः सीबीआई ने उनके मामले में क्लोजर रपट अदालत में पेश की और जैन को बिल्कुल बरी कर दिया गया। इन जेलबंद नेताओं की 'निर्दोषता' की भरपाई कौन करेगा? केजरीवाल ने जेल में रहते हुए मुख्यमंत्री पद नहीं छोड़ा और जेल से ही सरकार चलाते रहे। संविधान में ऐसी व्याख्या ही नहीं है कि जेल में रहने वाले मुख्यमंत्री और मंत्री को इस्तीफा देना चाहिए अथवा राज्यपाल द्वारा उन्हें बर्खास्त करना चाहिए। सरकार ने प्रस्तावित बिल में प्रधानमंत्री और केंद्रीय मंत्री को भी जोड़ा है। यह ड्रामा है। सवाल है कि कितने प्रधानमंत्री 30 दिन तक हिरासत में रखे गए हैं? प्रधानमंत्री रहते हुए पीवी नरसिम्हा राव को अदालत ने 'अभियुक्त' करार दिया था। उन्हें जेल क्यों नहीं भेजा गया? इंदिरा को जेल जाना पड़ा। कानून लागू हो जाता है, तो किसी भी विपक्षी दल की सरकार ढहाई जा सकती है।

रामचरित मानस

पिछले अंक में आपने पढ़ा था कि राजा ने जब मुनि का आना सुना, तब वे ब्राह्मणों के समाज को साथ लेकर मिलने गए और दण्डवत करके मुनि का सम्मान करते हुए उन्हें लाकर अपने आसन पर बैठाया॥ उससे आगे का वर्णन क्रमानुसार प्रस्तुत है।

चरन पखारि कीन्हि अति पूजा। मो सम आजु धन्य नहिं दूजा॥
बिबिध भाँति भोजन करवावा। मुनिबर हृदयँ हरष अति पावा॥

चरणों को धोकर बहुत पूजा की और कहा- मेरे समान धन्य आज दूसरा कोई नहीं है। फिर अनेक प्रकार के भोजन करवाए, जिससे श्रेष्ठ मुनि ने अपने हृदय में बहुत ही हर्ष प्राप्त किया॥

पुनि चरननि मेले सुत चारी। राम देखि मुनि देह बिसारी॥
भए मगन देखत मुख सोभा। जनु चकोर पूरन ससि लोभा॥

फिर राजा ने चारों पुत्रों को मुनि के चरणों पर डाल दिया (उनसे प्रणाम कराया)। श्री रामचन्द्रजी को देखकर मुनि अपनी देह की सुधि भूल गए। वे श्री रामजी के मुख की शोभा देखते ही ऐसे मग्न हो गए, मानो चकोर पूर्ण चन्द्रमा को देखकर लुभा गया हो॥

तब मन हरषि बचन कह राऊ। मुनि अस कृपा न कीन्हिहु काऊ॥
केहि कारन आगमन तुम्हारा। कहहु सो करत न लावउँ बारा॥

तब राजा ने मन में हर्षित होकर ये वचन कहे- हे मुनि! इस प्रकार कृपा तो आपने कभी नहीं की। आज किस कारण से आपका शुभागमन हुआ? कहिए, मैं उसे पूरा करने में देर नहीं लगाऊँगा॥ (क्रमशः...)

उपराष्ट्रपति पद पर सीपी राधाकृष्णन का चुना जाना लगभग तय

उपराष्ट्रपति पद के चुनाव में अब सरकार और विपक्ष के प्रत्याशियों के मध्य मुकाबला होना तय हो गया है। सरकार द्वारा सीपी राधाकृष्णनको प्रत्याशी बनाए जाने के बाद इंडी ब्लाक ने भी सुप्रीम कोर्ट के सेवा निवृत्त न्यायाधीश सुदर्शन रेड्डी को अपना प्रत्याशी घोषित कर दिया है। इस बार उपराष्ट्रपति के पद के दोनों ही प्रत्याशी एक ही प्रान्त तमिलनाडु से आते हैं। कांग्रेस व विरोधी दलों को लगा कि अगर एनडीए प्रत्याशी सीपी राधाकृष्णन देश के नये उपराष्ट्रपति बन जाते हैं तो फिर भारतीय जनता पार्टी राधाकृष्णन के माध्यम से दक्षिण विशेषकर तमिलनाडु में अपनी राजनीतिक जमीन को सशक्त करने का प्रयास करेगी क्योंकि जब बीजेपी ने पूर्व उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ को अपना प्रत्याशी बनाया था तब भाजपा को राजस्थान में राजनैतिक लाभ हुआ था और वहां उसकी सत्ता में वापसी हो गई थी। अब भाजपा ने सीपी राधाकृष्णन को अपना प्रत्याशी बनाकर तमिलनाडु की जनता व कार्यकर्ताओं को यही संदेश दिया है।

कौन है सीपी राधाकृष्णन- संसद के दोनों सदनों के वर्तमान अंकगणित के अनुसार एनडीए प्रत्याशी सीपी राधाकृष्णन का विजयी होना सुनिश्चित है। महाराष्ट्र के राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन तमिलनाडु बीजेपी प्रदेश

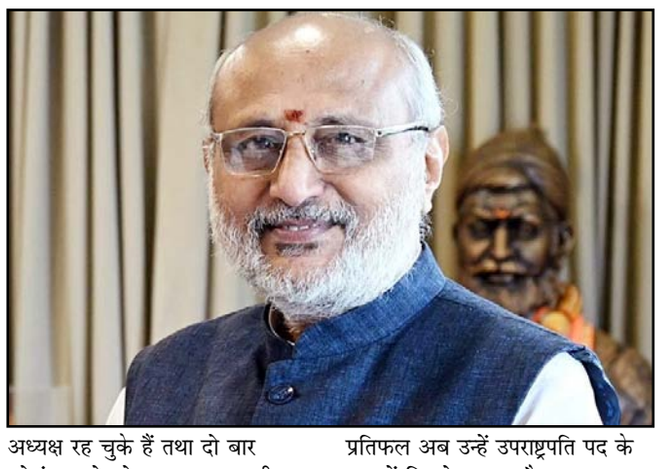

अध्यक्ष रह चुके हैं तथा दो बार कोयंबटूर से लोकसभा सदस्य भी रह चुके हैं। सीपी राधाकृष्णन मात्र 16 वर्ष की अवस्था में ही 1974 में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से जुड़कर समाज सेवा के कार्यों में लग गए और बाद में उनके राजनैतिक जीवन का आरम्भ हुआ। सीपी राधाकृष्णन कुछ समय तक झारखंड के भी राज्यपाल रहे, वह झारखण्ड राज्य के सभी जिलों का दौरा करने वाले राज्यपाल हैं। सीपी राधकृष्णन तेलंगना के राज्यपाल व पुडडुचेरी के उपराज्यपाल का अतिरिक्त कार्यभार भी संभाल चुके हैं। सी पी राधाकृष्णन तमिलनाडु की राजनीति में 40 वर्ष तक सक्रिय रहे जिसका प्रतिफल अब उन्हें उपराष्ट्रपति पद के रूप में मिलने जा रहा है।

वह 1996 में भाजपा तमिलनाडु के सचिव नियुक्त हुए। 2004 में संयुक्तराष्ट्र महासभा में संसदीय प्रतिनिधमंडल के हिस्से के रूप में भाषण दिया और ताइवान की पहली संसदीय यात्रा में शामिल हुए। वह 2020 से 2022 तक केरल बीजेपी प्रभारी भी रहे। सीपी राधाकृष्णन एक बहुत अनुभवी तथा जमीनी कार्यकर्ता हैं जिन्हें इतना बड़ा उत्तरदायित्व प्राप्त हो रहा है।

सीपी राधाकृष्णन ने तमिलनाडु बीजेपी अध्यक्ष रहते हुए सभी भारतीय नदियों को जोड़ने, आतंकवाद को मिटाने, समान नागरिक संहिता लागू करने, छुआछूत समाप्त करने और नषे के खतरे से निपटने जैसी मांगो को लेकर 93 दिनों में 19 हजार किमी लंबी रथयात्रा निकाली थी। माना जा रहा है कि भाजपा ने इस बार वैचारिक पृष्ठभूमि के नेता को प्राथमिकता दी है जिसका लाभ उसे दक्षिण की आगामी राजनीति में मिल सकता है।

सीपी राधाकृष्णन ने तमिलनाडु बीजेपी अध्यक्ष रहते हुए सभी भारतीय नदियों को जोड़ने, आतंकवाद को मिटाने, समान नागरिक संहिता लागू करने, छुआछूत समाप्त करने और नषे के खतरे से निपटने जैसी मांगो को लेकर 93 दिनों में 19 हजार किमी लंबी रथयात्रा निकाली थी।

चुनावी राजनीति की दृष्टि से देखा जाए तो सीपी राधाकृष्णन के ओबीसी समाज से होने का लाभ भी बीजेपी को दक्षिण राज्यों के चुनावों में मिल सकता है। भाजपा अब कांग्रेस तथा विपक्ष के खिलाफ इस बात का माहौल भी बनाने का प्रयास करेगी कि विपक्ष ने ओबीसी समाज के प्रत्याशी को उपराष्ट्रपति बनने से रोकने का प्रयास किया यद्यपि बीजेपी प्रत्याशी का जीतना तय है क्योकि उपराष्ट्रपति का चुनाव जीतने के लिए 392 वोट चाहिए जबकि एनडीए के पास 422 वोट हैं।

उपराष्ट्रपति पद के लिए प्रत्याशी चयन करते समय भी कांग्रेस व विपक्ष की दोहरी मानसिकता बेनकाब हो गई है क्योकि जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार ने रामजन्मभूमि मंदिर का फैसला सुनाने वाले एक जज को राज्यसभा में भेजा था और एक को राज्यपाल बनाया था तब विपक्ष ने रिटायर्ड हो चुके जजों की नियुक्तियों का विरोध किया था और अब स्वयं ही एक रिटायर्ड जज को प्रत्याशी बना रही है।

- मृत्युंजय दीक्षित

विकराल होते आनलाइन गेम पर नियंत्रण का कानून सराहनीय

इंटरनेट के विस्तार ने आधुनिक दौर में जीवन को अनेक सुविधाएं दी हैं, लेकिन इसके साथ ही कुछ नए गंभीर संकट भी पैदा किए हैं। इनमें सबसे गंभीर संकटों में से एक है ऑनलाइन गेमिंग या कहें तो मनी गेमिंग की बढ़ती लत। यह सच है कि गेमिंग मनोरंजन का साधन हो सकती है, पर जब इसमें धन का जुड़ाव होता है, तब यह सीधा-सीधा जुए एवं सट्टे के रूप में बदल जाती है। यह एक कड़वी सच्चाई है कि ऑनलाइन मनी गेमिंग यदि लत बन जाए तो यह संपन्न व्यक्ति एवं परिवार को भी कंगाल कर सकती है। एक आंकड़े के अनुसार देश में एक साल में 45 करोड़ लोगों ने बीस हजार करोड़ गवां दिये हैं। सब कुछ गंवा कर आत्महत्या करने के मामले भी प्रकाश में आते रहे हैं। सवाल इन लालच बेचने एवं जगाने वाली मनी गेमिंग की पारदर्शिता को लेकर भी उठते रहे हैं। इन्हीं चिंताओं एवं त्रासद विडम्बनाओं के बाद ऑनलाइन गेमिंग पर नियंत्रण का एक विधेयक भारत सरकार इसी मानसून सत्र में ऑनलाइन गेमिंग संवर्धन एवं विनियमन विधेयक 2025 लेकर आई है। जिसे अब गंभीर चर्चा के बिना संसद ने पारित भी कर दिया है। यह विधेयक पैसे से खेले जाने वाले किसी भी ऑनलाइन गेम को गैरकानूनी घोषित करता है। यह स्वागत योग्य कदम है, क्योंकि गेमिंग के नाम पर अरबों रुपए का लेन-देन और करोड़ों युवाओं की मानसिक शांति को नष्ट करने वाली प्रवृत्ति दिनोंदिन विकराल रूप ले रही है।

आज स्थिति यह है कि ऑनलाइन गेमिंग की लत केवल समय और धन की बर्बादी ही नहीं कर रही, बल्कि सामाजिक और पारिवारिक रिश्तों में भी तनाव और विघटन का कारण बन रही है। स्कूल और कॉलेज के छात्र अपनी पढ़ाई की उपेक्षा कर इस आभासी दुनिया में डूबते जा रहे हैं। युवा वर्ग का एक बड़ा हिस्सा रात-दिन गेमिंग में डूबा रहता है, जिससे उनके व्यक्तित्व और भविष्य पर गहरा नकारात्मक असर पड़ रहा है। यह संकट केवल आर्थिक ही नहीं, मानसिक और सामाजिक भी है। दिन-रात स्क्रीन से चिपके रहने वाले युवक चिड़चिड़ापन, अवसाद और एकाकीपन का शिकार हो रहे हैं। उनमें हिंसक प्रवृत्तियां भी उभर रही हैं। कई ऐसी खबरें भी आ चुकी है, जिनमें लगातार आनलाइन गेम खेलते रहने से मना करने पर कोई किशोर हिंसक हो गया और उसने या तो आत्महत्या कर ली या फिर किसी की जान ले ली। ऑनलाइन गेमिंग से जुड़ी लत रिश्तों को तोड़ रही है, दोस्ती और पारिवारिक बंधनों को कमजोर कर रही है। एक पूरी पीढ़ी, जिसे राष्ट्रनिर्माण की दिशा में आगे बढ़ना चाहिए था, अपनी ऊर्जा और रचनात्मकता इस आभासी जुए में गँवा रही है।

सरकार के मुताबिक, वह ई-स्पोर्ट्स और

सोशल गेमिंग को बढ़ावा देने के लिये अवश्य उत्सुक है, जिसमें कोई वित्तीय जोखिम न हो। यहां उल्लेखनीय है कि ऑनलाइन गेमिंग का वार्षिक राजस्व 31,000 करोड़ रुपये से अधिक है। इसके साथ ही यह हर साल प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष करों के रूप में बीस हजार करोड़ रुपये से अधिक का योगदान देता है। लेकिन इसके साथ चिंता का विषय यह भी है कि सुनहरे सब्जबाग दिखाने वाले कई ऑनलाइन गेमिंग एप लत, खेलने वाले आम लोगों के आर्थिक नुकसान और मनी लॉन्ड्रिंग को भी बढ़ावा देते हैं। यही वजह है कि ऑनलाइन गेमिंग में अपनी जमा पूंजी लुटाने वाले बदकिस्मत उपयोगकर्ता नाकामी के बाद आत्महत्या तक करने को मजबूर हो जाते हैं। निस्संदेह सरकार ने राजस्व की परवाह न करते हुए ऑनलाइन मनी गेमिंग पर पूर्ण प्रतिबंध लगाकर एक बड़ा जोखिम भी उठाया है। लेकिन सवाल यह भी है कि क्या केवल कानून से इस प्रवृत्ति पर अंकुश लग सकेगा? इंटरनेट का विस्तृत दायरा और विदेशी ऑनलाइन ऑपरेटर विधेयक के प्रमुख उद्देश्यों को विफल करने की कोशिश कर सकते हैं। यह नितांत अपेक्षित है कि वित्तीय प्रणालियों की अखंडता के साथ-साथ राष्ट्र की सुरक्षा और संप्रभुता की रक्षा होनी चाहिए। माना जा रहा है कि इस नये कानून को बनाने की जरूरत संभवतः छह हजार करोड़ रुपये वाले महादेव ऑनलाइन सट्टेबाजी घोटाले के बाद महसूस की गई। जिसकी जांच सीबीआई और ईडी कर रहे हैं। छत्तीसगढ़ के कुछ शीर्ष राजनेताओं और नौकरशाहों पर सट्टेबाजी एप के यूएई स्थित प्रमोटरों के साथ संबंध होने के आरोप लगे हैं। जो कथित तौर पर हवाला कारोबार और विदेशों में धन-शोधन के कार्यों में लिप्त बताये जाते हैं।

भारत सरकार का यह कदम इसलिए भी जरूरी एवं प्रासंगिक है कि इस उद्योग का टर्नओवर कई आर्थिक, राष्ट्रीय एवं सामाजिक विसंगतियों के साथ कई हजार करोड़ तक पहुंच गया है। विदेशी कंपनियां भी इस क्षेत्र में सक्रिय होकर भारतीय युवाओं को लुभाने के लिए तरह-तरह के विज्ञापन और प्रलोभन दे रही हैं। इन मंचों पर जीतने की लालच में फंसकर युवा अपने उज्ज्वल भविष्य को दांव पर लगा रहे हैं। यह प्रवृत्ति केवल व्यक्तिगत जीवन नहीं बिगाड़ती, बल्कि राष्ट्र की प्रगति में भी बाधक है, क्योंकि जिन युवाओं को शिक्षा, विज्ञान, प्रौद्योगिकी और राष्ट्रनिर्माण में योगदान देना चाहिए, वे अपना समय और ऊर्जा इन आभासी खेलों में गवां रहे हैं। आज जरूरत है कि ऑनलाइन गेमिंग की इस समस्या को केवल कानूनी दायरे में ही नहीं, बल्कि सामाजिक और पारिवारिक स्तर पर भी गंभीरता से लिया जाए। अभिभावकों को चाहिए कि वे बच्चों को समय पर समझाएं, उनका मार्गदर्शन करें और उन्हें सकारात्मक गतिविधियों की ओर प्रेरित करें। समाज को भी मिलकर यह संकल्प लेना होगा कि मनोरंजन के नाम पर फैल रहे इस जुए की घातक एवं विध्वंसक संस्कृति को बढ़ावा न दिया जाए।

यह ठीक है कि सरकार ने ऑनलाइन गेमिंग को नियंत्रित करने का प्रस्ताव पारित कर एक सही दिशा में सराहनीय कदम बढ़ाया है, लेकिन कानून से भी अधिक जरूरी है जागरूकता। जब तक लोग स्वयं यह नहीं समझेंगे कि गेमिंग का यह जुआ उनके भविष्य को तबाह कर रहा है, तब तक समस्या का समाधान संभव नहीं है। इसलिए अब समय आ गया है कि हम मनोरंजन के नाम पर छल रही इस प्रवृत्ति का पर्दाफाश करें और अपने युवाओं को सुरक्षित, रचनात्मक और सकारात्मक भविष्य की राह पर अग्रसर करें। असंख्य परिवारों को आज अपने बच्चों की इस आदत के कारण कर्ज और बर्बादी में अंधेरों में जाने से बचाये। खेल के नाम पर ऑनलाइन मंचों पर पैसा लगाना दरअसल सट्टेबाजी ही है, जिसमें जीत की संभावना क्षणिक होती है और हार की संभावना लगभग निश्चित। लाखों युवक अपने खून-पसीने की कमाई या माता-पिता की मेहनत की कमाई को इन कंपनियों की तिजोरियों में डाल रहे हैं। यह समस्या अब जुए की लत से भी अधिक खतरनाक हो चुकी है, क्योंकि इसमें तकनीक की चकाचौंध और आसानी से उपलब्धता ने युवाओं को पहले से ज्यादा असुरक्षित बना दिया है।

यह बात किसी से छिपी नहीं है कि ऑनलाइन गेमिंग का बाजार बीते कुछ वर्षों में तेजी से फैला है। विज्ञापनों, प्रलोभनों और चमकदार ऑफरों ने युवाओं को अपने शिकंजे में इस तरह जकड़ लिया है कि लाखों लोग इसमें डूबकर अपनी शिक्षा, करियर और परिवार तक को दांव पर लगा बैठे हैं। जब खेल केवल मनोरंजन तक सीमित रहता है तब तक उसकी उपयोगिता है, पर जैसे ही इसमें धन और लालच का तत्त्व जुड़ता है, यह जुए में बदल जाता है। और यही वह बिंदु है जहां से विनाश की शुरुआत होती है। सच्चाई यह है कि ऑनलाइन गेमिंग का जाल इतना व्यापक हो चुका है कि इसे रोकने के लिए कानून की सख्ती के साथ-साथ सामाजिक जागरूकता और पारिवारिक हस्तक्षेप भी उतने ही जरूरी हैं। ऑनलाइन मनी गेमिंग के सख्त नियमन और इसे भारी कराधान के अधीन लाना एक व्यावहारिक समाधान होगा। साथ ही पारदर्शिता और जवाबदेही पर जोर देकर उपभोक्ताओं के लिये सुरक्षा उपाय सुनिश्चित किए जाने की भी जरूरत है। इस अभियान में गैर-कानूनी गतिविधियों में लिप्त प्लेटफॉर्मों पर जुर्माना भी लगाना एवं बड़े-बड़े दावे करने वाली मशहूर हस्तियों पर कार्रवाई भी होते हुए दिखनी चाहिए, तभी यह कानून कारगर एवं प्रभावी बन पायेगा।

- ललित गर्ग (लेखक, पत्रकार, स्तंभकार)

राशिफल

भाद्रपद माह, कृष्ण पक्ष अमावस्या — **(विक्रम संवत् 2082)**

मेष- (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ)
घरेलू सुख बाधित रहेगा। भूमि, भवन व वाहन की खरीदारी में थोड़ी सी परेशानी या बहुत अच्छा नहीं होगा।

वृष- (ई, उ, ए, ओ, वा, वी, वू, वे , वो)
स्वयं के स्वास्थ्य और अपनों के स्वास्थ्य पर ध्यान दें। व्यापारिक स्थिति मजबूत होगी। स्वास्थ्य अच्छा है।

मिथुन- (का, की, कु, घ, ड , छ, के, हो, हा)
धन की चिंता सताएगी। गर्मजोशी नहीं रहेगी। स्वास्थ्य मध्यम। प्रेम-संतान की स्थिति अच्छी है।

कर्क- (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डा)
स्वास्थ्य बुझा-बुझा सा रहेगा। प्रेम-संतान की स्थिति अच्छी रहेगी। व्यापार भी अच्छा रहेगा।

सिंह- (मा, मी, मु, मे, मो, टा, टी, टु, टे)
खर्च की अधिकता रहेगी। मानसिक परेशानी बनी रहेगी। प्रेम-संतान अच्छा रहेगा। व्यापार भी लगभग ठीक रहेगा।

कन्या- (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो)
आय में उतार-चढ़ाव बना रहेगा। यात्रा बहुत लाभप्रद नहीं होगा। प्रेम-संतान मध्यम रहेगा। व्यापार लगभग ठीक रहेगा।

तुला- (रा, री, रु, रे, रो, ता, ती, तू, त)
कोर्ट-कचहरी से बचें। अभी मनमुताबिक परिणाम नहीं आएगा। राजनीतिक स्थिति मध्यम रहेगी।

वृश्चिक- (तो, ना, नी, नु, ने, नो, या, यी, यू)
भाग्य पर भरोसा करके कोई काम न करें। मध्यम भाग्य का निर्माण होगा। यात्रा अभी छोड़ दें, न करें।

धनु- (ये, यो, भा, भी, भू, धा, फा, ठा, भे)
परिस्थितियां प्रतिकूल रहेंगी। किसी परेशानी में पड़ सकते हैं। स्वास्थ्य पर ध्यान दें। वाहन धीरे चलाएं।

मकर- (भो,जा,जी,जू,जे,जो,खा,खी,खू,खे,गा,गी)
स्वयं के स्वास्थ्य पर और जीवनसाथी के स्वास्थ्य पर ध्यान दें। नौकरी चाकरी की स्थिति मध्यम रहेगी।

कुम्भ- (गू, गे, गो, सा, सी, सु, से, षो, द)
खर्च की अधिकता रहेगी, यद्यपि शुभ कार्यों में खर्च होगा। प्रेम-संतान की स्थिति अच्छी है। स्वास्थ्य थोड़ा मध्यम है।

मीन- (दी, दु, झ, ध, दे, दो, च, चा, चि)
बच्चों की सेहत पर ध्यान दें। प्रेम में तूतू-मैंमैं से बचें। महत्वपूर्ण निर्णय अभी रोक दें। भावुकता पर काबू रखें।

सांसद ने किया रॉयल प्वाइंट प्रोपर्टी का उद्घाटन

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। अल्फा-1 स्थित कॉमर्शियल बेल्ट के पारशनाथ प्लाजा में कल रॉयल प्रोपर्टी प्वाइंट का उदघाटन पूर्व केन्द्रीय मंत्री एवं सांसद डॉ. महेश शर्मा ने फीता काटकर किया।

इस मौके पर उन्होंने प्रोपर्टी के निदेशक जीतू पंडित को बधाई दी।

इस मौके पर मौजूद लोगों में मुख्य रूप से शिक्षक विधान परिषद के सदस्य श्रीचंद शर्मा, जिला पंचायत अध्यक्ष अमित चौधरी, भाजपा के जिलाध्यक्ष अभिषेक शर्मा, दादरी की चेयरमैन श्रीमती गीता पंडित, सेवा पंडित, जिला पंचायत सदस्य देवा भाटी, तीरथ राम शर्मा, प्रमोद शर्मा सहित काफी संख्या में लोग मौजूद रहे।

ओएसडी अभिषेक पाठक को सौंपा ज्ञापन

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। किसान मज़दूर संघर्ष मोर्चा के प्रतिनिधिमंडल ने ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण ओएसडी अभिषेक पाठक को कासना रोड से घघौला चौकी मार्ग से सलेमपुर गुर्जर तक ख़राब पड़ी स्ट्रीट लाइटों के संबंध में पत्र सौंपा।

इस संबंध में संगठन के राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष लोकेश भाटी ने बताया कि कासना रोड दर्जनों गांवों को जोड़ता है जिससे आने जाने वाले लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ता है, हमेशा अंधेरा छाया रहता है, निचले कर्मचारी लाइटों पर ध्यान नहीं दे रहे हैं। उसी संबंध में ओएसडी को ज्ञापन सौंपा है।

ओएसडी अभिषेक पाठक ने तत्काल निचले अधिकारियों को आदेश जारी किया है कि दो दिन में सुचारु रूप से लाइट चालू की जाए।

इस मौक़े पर कृष्ण नागर लौकेश भाटी सहित आदि लोग मौजूद रहे!

ग्रामीण आंचल में कुश्ती- कबड्डी जैसे खेलों में महिलाओं का योगदान अद्भुत पहल : डॉ महेश शर्मा

दनकौर। गुरु द्रोणाचार्य की कर्म स्थली और धनुर्धर एकलव्य की साधना स्थली कस्बा दनकौर स्थित

महाभारत कालीन प्राचीन गुरु द्रोणाचार्य मंदिर दनकौर प्रांगण में जन्माष्टमी पर्व से श्री द्रोण गौशाला समिति के संरक्षण में चल रहे बारह दिवसीय श्री कृष्ण जन्मोत्सव द्रोण मेला में पूर्व केंद्रीय मंत्री तथा गौतमबुद्धनगर लोकसभा क्षेत्र से सांसद डॉ. महेश शर्मा ने स्थल पर पहुंचकर महिला कबड्डी प्रतियोगिता का शुभारंभ किया।इस मौके पर डॉक्टर महेश शर्मा ने कहा कि ग्रामीण अंचल में खेल प्रतियोगिताओं में महिलाओं का भाग लेना एक शानदार पहल है, महिलाओं की कुश्ती-कबड्डी न केवल खेल बल्कि एक अद्भुत प्रतियोगिता है, महिलाओं द्वारा खेलों के माध्यम से देश को ऊंचाइयों पर ले जाने का सार्थक प्रयास है, उन्होंने महिला खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करते हुए कहां की अब भारत देश को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सिरमौर बनने से कोई रोक नहीं सकता। इस मौके पर खेलप्रतियोगिता के प्रायोजक बलराज नागर ने पगड़ी बांधकर डॉ महेश शर्मा का स्वागत व अभिनंदन किया।

इस मौके पर किसान नेता पवन खटाना, श्री द्रोण गौशाला मेला समिति के प्रबंधक रजनीकांत अग्रवाल, मनीष मांगलिक, मूलचंद, भाजपा मंडल अध्यक्ष गजेंद्र वाल्मीकि, वरिष्ठ भाजपा नेता पंकज कौशिक, जिला पंचायत अध्यक्ष अमित चौधरी, जिला पंचायत सदस्य देवा भाटी, नवीन पंडित, सांसद प्रतिनिधि सोनू वर्मा, भाजपा महामंत्री अमित नागर, अखिलेश नागर, हरीश पंडित, सुमित शर्मा, सुभाष नागर आदि उपस्थित रहे।

ग्रेनो में साफ-सुथरे तालाब बन रहे गांवों की पहचान

ग्रेनो प्राधिकरण की निजी भागीदारी संग मुहिम रंग ला रही

ग्रेटर नोएडा। तालाब न सिर्फ आसपास के एरिया में जल स्तर बनाए रखने के लिए अहम स्रोत है बल्कि इससे गांव की खूबसूरती भी बढ़ जाती है। ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण के सीईओ एनजी रवि कुमार ने इसी सोच के साथ गांवों में स्थित तालाबों के जीर्णोद्धार की पहल की है। प्राधिकरण खुद से तथा निजी भागीदारी से गांवों में स्थित तालाबों के जीर्णोद्धार के लिए सतत प्रयास कर रहा है। इसकी बानगी डबरा और जैतपुर के तालाब के रूप में दिख रही है। यह दोनों ही तालाब पहले कूड़े से अटे पड़े थे। प्राधिकरण और पॉन्ड मैन रामवीर तंवर की टीम ने मिलकर साफ सफाई की। पौधरोपण भी किया गया। डबरा गांव के तालाब के चारों ओर पीपल, नीम, बरगद, नींबू आदि प्रजाति के पौधे लगाए गए हैं, जिससे आने वाले दिनों में तालाब के चारों और हरियाली भी खूब दिखेगी। इस पहल से तालाबों की सूरत बदल गई है। इन तालाबों में अब साफ पानी दिख रहा है। परियोजना विभाग की तरफ से बताया गया है कि ग्रेटर नोएडा के 281 तालाबों में से प्राधिकरण अब तक 194 तालाबों की साफ सफाई करा चुका है, जिसमें से 41 तालाबों की सफाई निजी भागीदारी से की गई है। आने वाले दिनों में शेष तालाबों की भी सफाई की जाएगी। इसके अतिरिक्त कुछ तालाबों पर अतिक्रमण है, जिसे प्राधिकरण पुलिस-प्रशासन के सहयोग से अतिक्रमण मुक्त कराकर उनका भी जीर्णोद्धार करने की तैयारी कर रहा है।

प्राधिकरण की एसीईओ श्रीलक्ष्मी वीएस का बयान

'तालाब न सिर्फ भूजल स्तर को मेनटेन रखते हैं, बल्कि उसमें रहने वाले जलीय जंतुओं का जीवन सुरक्षित रहता है। साफ-सुथरे तालाबों से गांवों की खूबसूरती में भी बढ़ जाती है। लोग इनके चारों ओर सुबह- शाम सैर भी कर सकते हैंडसेट।प्राधिकरण खुद से गैर सरकारी संगठनों और निजी भागीदारी से तालाबों के जीर्णोद्धार के लिए निरंतर प्रयास करता रहेगा। ग्रेटर नोएडा के सामाजिक व अन्य गैर सरकारी संगठनों से अपील है कि तालाबों के जीर्णोद्धार में भागीदारी निभाएं और ग्रेटर नोएडा को स्वच्छ व सुंदर शहर बनाने में सहयोग करें।'

- श्रीलक्ष्मी वीएस, एसीईओ
ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण

दो सगी बहनें गायब

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। दो सगी बहनों सहित तीन किशोरियां संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गई। परिजनों की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और किशोरियों की तलाश कर रही है।

थाना बिसरख क्षेत्र के शिवम एनक्लेव हैबतपुर में रहने वाले राकेश (काल्पनिक नाम) ने बताया कि उनकी 17 वर्षीय बेटी 21 अगस्त को अपनी 8 वर्षीय छोटी बहन के साथ घर से बाहर गई थी। इसके बाद वह घर वापस नहीं लौटी। उन्होंने अपनी बेटी की काफी तलाश की लेकिन कोई पता नहीं चला। राकेश ने बताया कि तीन दिन पहले उन्होंने अपनी बड़ी बेटी को किसी बात पर डांट दिया था इससे वह नाराज थी। उन्होंने आशंका जताई कि डांटने की वजह से उनकी बेटी घर से चली गई। बिसरख पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया है।

थाना एक्सप्रेस में क्षेत्र के ग्राम छपरौली में किराए पर रहने वाले महेश ने अपनी 16 वर्षीय बेटी के लापता होने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। दर्ज रिपोर्ट में उन्होंने बताया कि उनकी बेटी 15 अगस्त की दोपहर को घर से बिना बताए कहीं चली गई। इसके बाद वह घर वापस नहीं लौटी। परिजनों ने उसकी काफी तलाश की लेकिन कोई पता नहीं चला। पुलिस का कहना है की किशोरियों की तलाश की जा रही है।

सड़क पर बह रहा है सीवर व नाली का पानी

नोएडा (चेतना मंच)। बरौला बारात घर से लेकर सेक्टर-49 बारात घर तक नाली एवं सीवर बिल्कुल जाम पड़ी है जिसमें गंदा पानी ओवरफ्लो होकर राहगीरों के लिए परेशानी का बड़ा सबब बन गया है। एक हफ्ता पहले भी संबंधित कर्मचारियों को अवगत कराया गया था लेकिन आज तक ना तो नाली की सफाई हुई है और न हीं सीवर खोली जा रही है।

बरौला निवासी राजेश उपाध्याय ने बताया कि सीवर व नाली के गंदे पानी से सड़क पर चलना दुश्वार हो गया है।

ऑफिस में चोरी

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। थाना सूरजपुर क्षेत्र के डेल्टा 2 में स्थित शर्मा हॉस्पिटल के ऑफिस से चोर ने 10 हजार रुपए ,मोबाइल फोन व दो टोटी चोरी कर ली। चोरी की है पूरी वारदात सीसीटीवी कैमरे में रिकॉर्ड हो गई।

शर्मा हॉस्पिटल के मालिक डॉक्टर सार्थक शर्मा ने दर्ज कराई रिपोर्ट को बताया कि 21 अगस्त को करीब 12:30 बजे एक व्यक्ति ने उनके ऑफिस में चोरी की घटना को अंजाम दिया। ऑफिस से 10000 रूपये मोबाइल फोन तथा प्रथम व ग्राउंड फ्लोर से दो टोटी चोरी कर ले गया। चोरी की पूरी वारदात ऑफिस में लगे कैमरे में रिकॉर्ड हो गई।

पुलिस का कहना है कि पीड़ित की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच की जा रही है।

महिला से ठगी

ग्रेटर नोएडा (चेतना मंच)। होम लोन दिलाने के नाम पर तीन लोगों ने ब्यूटी पार्लर की संचालिका से 80 हजार रुपए हडप लिए। पीड़िता ने जब इसकी शिकायत पुलिस से की तो पुलिस ने भी कोई कार्यवाही नहीं की। इसके बाद पीड़िता ने न्यायालय में प्रार्थना पत्र देकर आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किए जाने के गुहार लगाई न्यायालय के निर्देश के पर थाना बीटा दो में तीनों आरोपियों के खिलाफ नामजद मुकदमा दर्ज किया गया है।

रामपुर जागीर में अल्फा ब्यूटी पार्लर एंड कॉस्मेटिक की शॉप चलने वाली अफसाना ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया कि धर्मवीर राठौर व अजय राठौर पुत्र राम प्रकाश उसे काफी दिनों से जानते थे और कभी-कभार उसे कॉस्मेटिक से संबंधित माल की सप्लाई भी किया करते थे। घर खरीदने के लिए उसे होम लोन की आवश्यकता थी इस पर उसने धर्मवीर राठौर व अजय राठौर से होम लोन दिलाने की बात की दोनों भाइयों ने कहा कि दलाल को कमीशन देकर होम लोन हो सकता है। इसके बाद उन्होंने उसकी मुलाकात कुलदीप गौतम निवासी पंचशील कॉलोनी चिपियाना बुजुर्ग से कराई तीनों लोगों ने होम लोन दिलाने के नाम पर उससे 80 हजार रुपए, घर की रजिस्ट्री के कागजात, पांच ब्लैंक चेक ले लिए। काफी समय बीतने के पश्चात भी जब होम लोन नहीं हुआ तो उसने तीनों से बात करने का प्रयास किया तो उन्होंने उसका फोन उठाना बंद कर दिया। होम लोन न होने पर जब उसने अपने पैसे वापस मांगे तो आरोपियों ने रकम देने से इनकार कर दिया।

पृष्ठ एक के शेष....

थराली गाँव में...

इस घटना से थराली कस्बे, आसपास के गांवों और बाजारों में जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया। भारी बारिश और मलबे से कई घरों, दुकानों और सड़कों को नुकसान पहुंचा है. प्रशासन और एसडीआरएफ की टीमें राहत और बचाव कार्य में जुटी हुई हैं। बादल फटने का सबसे ज्यादा असर थराली बाजार, कोटदीप और तहसील परिसर में देखने को मिला। यहां तहसील परिसर, एसडीएम आवास और कई घरों में मलबा घुस गया। तहसील परिसर में खड़ी कई गाड़ियां मलबे में दब गईं। कस्बे की सड़कों पर इतना मलबा भर गया कि वह तालाब जैसी नजर आने लगीं। पास के सागवाड़ा गांव में मलबे के कारण एक युवती की दबकर मौत हो गई।

इस घटना से क्षेत्र में अफरा-तफरी मच गई और लोग अपने घरों से बाहर निकल आए। पुलिस और प्रशासन की टीमें तुरंत गांव में राहत कार्य के लिए पहुंचीं. चेपड़ों बाजार में मलबे की चपेट में आने से कई दुकानें क्षतिग्रस्त हुईं। साथ ही, एक व्यक्ति के लापता होने की सूचना भी है, जिससे स्थानीय लोगों की चिंता और बढ़ गई है। गौचर से स्टेट डिजास्टर रिस्पॉन्स फोर्स (SDRF) की टीम घटनास्थल पर है। प्रशासन ने राहत और बचाव कार्यों को तेज करने के निर्देश दिए हैं। बॉर्डर रोड्स ऑर्गनाइजेशन (BRO) की टीम मिंग्गदेरा के पास सड़क खोलने की कोशिशों में जुटी है, ताकि यातायात और राहत कार्यों को जल्द सुचारू किया जा सके।

अनिल अंबानी के घर...

इससे पहले वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने पिछले महीने लोकसभा में एक लिखित उत्तर में बताया था कि आरबीआई के धोखाधड़ी जोखिम प्रबंधन पर मास्टर निर्देशों और बैंक की बोर्ड की ओर से अनुमोदित धोखाधड़ी के वर्गीकरण, रिपोर्टिंग और प्रबंधन नीति के अनुसार इन संस्थाओं को 13 जून को फ्रॉड के रूप में वर्गीकृत किया गया था। उन्होंने कहा था कि 24 जून 2025 को बैंक ने आरबीआई को धोखाधड़ी के वर्गीकरण की सूचना दी।

दागी पार्किंग ठेकेदारों ....

एक एजेंसी फाइनेंशियल बिड को पार कर सकी, लेकिन बाद में उसका कागजी परीक्षण में निकला की वह एजेंसी ने चरित्र प्रमाण पत्र में एफआईआर दर्ज होने की बात को प्राधिकरण से छुपाया। इस कारण टेंडर प्रक्रिया में पास होने के बावजूद उसका टेंडर निरस्त कर दिया गया। वर्क सर्किल-1 के वरिष्ठ प्रबंधक डोरी लाल वर्मा ने बताया कि टेंडर नीति में बदलाव कर दिया गया है। दागी एजेंसी व ठेकेदारों को प्राधिकरण से बाहर का रास्ता दिखाया जा रहा है। इसलिए भूमिगत पार्किंग का टेंडर दोबारा से जारी किया गया है।

भाजपा ही किसानों की....

किसानों के बीज, उर्वरक व सिंचाई आदि के लिए कई लोक कल्याणकारी योजनाएं चलाई जा रही हैं। जिससे प्रदेश व देश का किसान की प्रगति हो तथा वह सम्मान से रह सके। इसके अलावा पशु धन, मत्स्य पालन आदि कई अन्य कल्याणकारी योजनाओं भी चलाई जा रही हैं। उन्होंने कहा कि सिर्फ भाजपा सरकार ही किसानों की सच्ची हितैषी है। इसके पूर्व सभी पदाधिकारियों ने प्रदेश अध्यक्ष का स्वागत किया। इस अवसर पर भाजपा किसान मोर्चा के क्षेत्रीय अध्यक्ष तेजा गुर्जर, नोएडा महानगर जिला अध्यक्ष ओमवीर अवाना, प्रदेश मीडिया सह प्रभारी अमित त्यागी, क्षेत्रीय सदस्य विराट सिंह, संदीप उपाध्याय आदि लोग मौजूद थे।

विधायक पहुंचे...

इस मौके पर विधायक के साथ नोएडा प्राधिकरण के कई अधिकारी भी मौजूद थे।

कार्यक्रम में AO अध्यक्ष सुनील यादव, दीपक गर्ग, संदीप कुमार, कुणाल किशोर, करनाल चंद्रा किशोर कुणाल, मनीष, नामित गौतम, दीपक मित्तल, कपिल देव, अमित त्यागी, डिंपल आनंद, महेश अवाना, करतार सिंह चौहान, मंडल अध्यक्ष मनीष तिवारी, रामकिशन यादव, सचिन गोयल, विपुल शर्मा, नमिता चौबे, अशोक मिश्रा, बबलू यादव, उमेश यादव, प्रदीप यादव, अतुल ठाकुर, घनश्याम यादव, नोएडा प्राधिकरण से आर. के. शर्मा, विश्वास त्यागी, अर्पित गोयल, गोपाल गौड, तुषार गोयल, भगत भाटी, मोनिका श्रीवास्तव, सहित सोसाइटियों के निवासी उपस्थित रहे

पुलिस चेकिंग के दौरान....

मशीन में कार्ड लगाने वाले स्थान पर फेविकोल या फेवीक्रिक लगा देता था। इसके बाद पैसे निकालने आए लोगों का एटीएम कार्ड मशीन में फंस जाता था। इस दौरान सनी अपने साथ ही सुमित व संजय के साथ एटीएम बूथ में पहुंचकर पीड़ितों को हेल्पलाइन नंबर के नाम पर सनी का नंबर दे दिया करते थे। पीड़ित जब उक्त नंबर पर फोन करते थे तो वह उनसे एटीएम कार्ड के पिन की जानकारी लेकर उन्हें बैंक जाने की सलाह देता था। जैसे ही पीड़ित एटीएम बूथ से बैंक जाने के लिए निकलता था तो वह प्लास की मदद से मशीन में फंसे एटीएम कार्ड को निकाल लेते थे। इसके बाद अन्य एटीएम में जाकर उक्त कार्ड से पैसे निकाल लेते थे। सनी ने अपने साथियों को साथ मिलकर कई घटनाओं को अंजाम दिया है। उन्होंने बताया कि पकड़े गए सनी के साथी सुमित व संजय को पुलिस द्वारा पूर्व में गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है।

ट्रक व बस की....

थाना फेस-2 क्षेत्र के सेक्टर-83 के पास अज्ञात वाहन उबर बाइक में टक्कर मार दी। हादसे में बाइक चालक विजेंद्र व उनके पीछे बैठे अंकुर विकास बोरा घायल हो गए। पुलिस ने दोनों घायलों को सेक्टर 137 स्थित निजी अस्पताल में भर्ती कराया यहां उपचार के दौरान अंकुर विकास बोरा की मौत हो गई। अंकुर मूल रूप से जनपद लखीमपुर असम का रहने वाला था। इस संबंध में सेक्टर 85 चौकी प्रभारी मोहित कुमार ने अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ मामला दर्ज कराया है।

वहीं थाना सूरजपुर क्षेत्र के सूरजपुर गोल चक्कर घंटाघर के पास बस स्टॉप पर खड़े एक व्यक्ति को तेज गति में आ रही बस ने कुचल दिया। मृतक की पहचान ओमवीर के रूप में हुई ओमवीर मूल रूप से आगरा के रहने वाले थे और क्यूटेक कंपनी में काम करते थे। इस संबंध में ओमवीर की पत्नी मधु कुमारी ने बस चालक के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है।

सुपरनोवा बिल्डिंग से ...

की सुपरनोवा बिल्डिंग के 32वें फ्लोर पर रुका हुआ था। देर रात 32वीं मंजिल से गिरने के कारण उसकी संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। रवि का शव झाड़ियों में मिला। नोएडा पुलिस ने जब उसकी पहचान की तो उसकी गुमशुदगी के बारे में पता चला इस मामले में दिल्ली पुलिस को भी सूचना दे दी गई है।

उत्तर रेलवे

इलेक्ट्रोनिक निविदा ई प्रणाली के अर्न्तगत मदों की आपूर्ति हेतु निविदा आमंत्रण

भारत के राष्ट्रपति की ओर से प्रमुख मुख्य सामग्री प्रबन्धक उत्तर रेलवे नई दिल्ली-110001 द्वारा इच्छुक फर्मों से निम्नलिखित मदों के लिये **ई-निविदा** आमंत्रित की जाती है:

निविदा सं.	संक्षिप्त विवरण	मात्रा	अंतिम तिथि
07250336A	इम्प्रोवेड हाई टेंसिल टाइट लॉक सेंटर बफर कप्लर	1447 नग	15.09.25
09252014A	एक्सल एण्ड कैप स्क्रू	187762 नग	19.09.25

निविदा शर्तें: 1. विस्तृत जानकारी **IREPS** वेबसाइट यानी **www.ireps.gov.in** पर देखी जा सकती है। 2. मैनुअल निविदा स्वीकृत नहीं की जायेगी।

टेंडर नोटिस सं.: 41/2025-2026 दिनांक: 22/08/2025

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ 2564/2025

दैनिक चेतना मंच

भगवान हनुमान बजरंग बली के अवतार श्री बालाजी (मेंहदीपुर) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार-पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में समर्पित है।

डाक पंजी. सं. L-10/GBD-574/99

RNI No. 69950/98

स्वामी मुद्रक प्रकाशक रामपाल सिंह रघुवंशी ने M/s Sai Printing Press, डी-85 सेक्टर-6, नोएडा, गौतमबुद्धनगर (यू पी.) से छपवाकर, ए-131 सेक्टर-83, नोएडा से प्रकाशित किया।

संपादक-रामपाल सिंह रघुवंशी

Contact: 0120-2518100, 4576372, 2518200
Mo.: 9811735566, 8750322340

E-mail: chetnamanch.pr@gmail.com
raghuvanshirampal365@gmail.com
raghuvanshi_rampal@yahoo.co.in
www.chetnamanch.com

श्रीलंका के पूर्व राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे गिरफ्तार

सरकारी पैसे के दुरुपयोग का आरोप, पत्नी के दीक्षांत समारोह में लंदन गए थे

कोलंबो, 23 अगस्त (एजेंसियां)। श्रीलंका के पूर्व राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे को पुलिस ने सरकारी धन का दुरुपयोग करने के मामले में गिरफ्तार किया गया है।

उन पर आरोप है कि 2023 में राष्ट्रपति रहते हुए वे अपनी पत्नी प्रोफेसर मैत्री विक्रमसिंघे के दीक्षांत समारोह शामिल होने लंदन गए थे। इसके लिए सरकारी पैसे का इस्तेमाल किया था। इसके अलावा उन पर अपने पर्सनल बॉडीगार्ड को भी सरकारी खजाने से सैलरी देने का आरोप है।

एक पुलिस अधिकारी के हवाले से बताया कि विक्रमसिंघे आज सुबह वित्तीय अपराध जांच विभाग (एफसीआईडी) में इस

मामले से जुड़ी पूछताछ के लिए पहुंचे थे। एफसीआईडी ने उन्हें कोलंबो फोर्ट मजिस्ट्रेट के सामने पेश किया। इसके बाद उन्हें गिरफ्तार किया गया।

वे श्रीलंकाई इतिहास में गिरफ्तार होने वाले पहले पूर्व राष्ट्रपति बन गए हैं।

विक्रमसिंघे बोले- पत्नी ने अपनी यात्रा का खर्च खुद उठाया

पूर्व राष्ट्रपति विक्रमसिंघे ने आरोपों से इनकार करते हुए कहा है कि उनकी पत्नी ने अपना खर्च खुद उठाया और किसी भी सरकारी पैसे का दुरुपयोग नहीं किया गया।

विक्रमसिंघे के खिलाफ आपराधिक जांच विभाग (सीआईडी) ने पहले फोर्ट मजिस्ट्रेट कोर्ट में सबूत पेश किए थे। इसमें उनकी पूर्व निजी सचिव सैंड्रा परेरा और पूर्व राष्ट्रपति सचिव समन एकनायके के बयान शामिल हैं।

विक्रमसिंघे ने 2023 का क्यूबा का दौरा किया था। यहां से लौटते हुए वे लंदन रुके थे, जहां उन्होंने जी-77 शिखर सम्मेलन में भाग लिया था। इसी दौरान वे और उनकी पत्नी मैत्री वॉल्वर हैम्प्टन यूनिवर्सिटी के एक समारोह में शामिल हुए थे।

2022 में राष्ट्रपति बने थे विक्रमसिंघे

जुलाई 2022 में श्रीलंका के तत्कालीन राष्ट्रपति गोटबाया राजपक्षे ने भ्रष्टाचार और कुप्रबंधन के खिलाफ महीनों तक चले विरोध प्रदर्शनों के बाद इस्तीफा दे दिया था। इसके बाद बचे कार्यकाल के लिए विक्रमसिंघे राष्ट्रपति बने थे।

विक्रमसिंघे को 2022 में देश की अब तक की सबसे खराब वित्तीय मंदी के बाद अर्थव्यवस्था को स्थिर करने का श्रेय दिया जाता है। विक्रमसिंघे पिछले वर्ष सितम्बर में वामपंथी ए.के. दिसानायके से दूसरे दौर तक चले कड़े मुकाबले में चुनाव हार गए थे।

साउथ अमेरिका के पास समुद्र में 7.5 तीव्रता का भूकंप

सैंटियागो/ ब्यूनस आयर्स, 23 अगस्त (एजेंसियां)। साउथ अमेरिका के तट के पास 7.5 तीव्रता का भूकंप आया है। फिलहाल किसी तरह के नुकसान की जानकारी नहीं है।

भूकंप की जानकारी देने वाली अमेरिकी संस्था यूएसजीएस के मुताबिक इस भूकंप का केंद्र अर्जेंटीना के दक्षिण में ड्रेक पैसेज के पास 11 किमी की गहराई में था।

ड्रेक पैसेज साउथ अमेरिका के दक्षिणी सिरे (केप हॉर्न) और अंटार्कटिका के बीच का समुद्री रास्ता है। यह अटलांटिक और प्रशांत महासागर को जोड़ता है। इसे बहुत तूफानी और खतरनाक माना जाता है। इसका नाम सर फ्रांसिस ड्रेक के नाम पर रखा गया है। चिली की नेवी हाइड्रोग्राफिक और ओशनोग्राफिक सर्विस ने पूरे अंटार्कटिका क्षेत्र के लिए सुनामी की चेतावनी जारी की थी। हालांकि, अब इस चेतावनी को हटा दिया गया है।

इससे पहले मई 2025 में भी इस इलाके में 7.5 तीव्रता का भूकंप आया था।

इससे पहले 30 जुलाई को रूस के पूर्वी प्रायद्वीप कामचटका में दुनिया का छठा सबसे बड़ा भूकंप आया था। इसकी तीव्रता 8.8 थी, जिसके चलते कामचटका में 5 मीटर तक ऊंची सुनामी आई। इसकी वजह से कई इमारतों को नुकसान पहुंचा। भूकंप का केंद्र जमीन से 19.3 किलोमीटर की गहराई में था। भूकंप के बाद रूस, जापान, अमेरिका और दक्षिण अमेरिका के तटीय इलाकों में सुनामी की चेतावनी जारी की थी।

आवारा कुत्तों को नियंत्रित करने के वैश्विक तरीके: कानून और नियम

लंदन, 23 अगस्त (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली-एनसीआर के आवारा कुत्तों को सड़कों से हटाने के अपने आदेश में संशोधन किया है। कोर्ट ने पहले आवारा कुत्तों को शेल्टर होम्स में बंद करने का आदेश दिया गया था। गुरुवार को तीन जजों की बेंच ने निर्देश दिया कि जिन कुत्तों को पकड़ा गया है, उन्हें छोड़ दिया जाए। कोर्ट ने इस दौरान यह भी कहा कि आवारा कुत्तों की समस्या दिल्ली ही नहीं पूरे देश में है। हालांकि आवारा कुत्तों के लोगों को काटने की समस्या देश से भी आगे यानी दुनियाभर में है।

विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, रेबीज के कारण 150 से ज्यादा देशों, खासकर अफ्रीका और एशिया में हर साल अनुमानित 59,000 लोगों की मौत होती है। भारत में यह बीमारी हर साल 18,000 से 20,000 लोगों की जान लेती है। इसमें 15 साल से कम उम्र के बच्चों की संख्या 30-60% होती है। रेबीज से होने वाली 99 प्रतिशत मौतें कुत्तों के काटने से होती हैं। जाहिर है कि यह समस्या वैश्विक है। ऐसे में हमें जानना चाहिए कि दुनिया के अलग-अलग देश इस समस्या से कैसे निपट रहे हैं।

यूरोपीय देश नीदरलैंड ने आवारा कुत्तों के लिए एक व्यापक नीति बनाई है। इसमें सरकार के वित्त पोषित सीएनवीआर (संग्रह, नसबंदी, टीकाकरण, वापसी) कार्यक्रम में आवारा कुत्तों की नसबंदी और टीकाकरण किया जाता है। पालतू कुत्तों के लिए भी में ये सुविधा है। नियमों का पालन ना करने वालों पर भारी जुर्माना, सख्त क्रूरता-विरोधी कानून और कानून प्रवर्तन के लिए एक समर्पित पशु कल्याण यूनिट है। यह यूनिट ध्यान रखती है कि कुत्तों को टीका लगे।

मोरक्को में हर साल करीब एक लाख लोगों को कुत्ते काटते हैं। मोरक्को सरकार ने 2019 में ट्रैप-न्यूटर-वैक्सीनेट-रिलीज (टीएनवीआर) कार्यक्रम शुरू किया। इसमें आवारा कुत्तों को पकड़कर उनकी नसबंदी करना और रेबीज का टीका लगाना और फिर पहचान टैग के साथ वापस छोड़ना शामिल है। मोरक्को सरकार ने आवारा कुत्तों से निपटने के लिए 10 करोड़ डॉलर से 130 सामुदायिक स्वच्छता कार्यालय खोले है। इनमें 60 डॉक्टर, 260 नर्स, 260 स्वास्थ्य तकनीशियन और 130 पशु चिकित्सक हैं।

कंबोडिया में सरकार ने बड़े पैमाने पर कुत्तों के टीकाकरण अभियान के जरिए महत्वपूर्ण सफलता हासिल की है। देश में केवल दो हफ्तों के भीतर 2.2 लाख कुत्तों को रेबीज का टीका लगाया गया है।

इस टीकाकरण अभियान का उद्देश्य रेबीज के संचरण को सीमित करना है। यह प्रतिक्रियात्मक उपायों के बजाय एक निवारक, जन स्वास्थ्य-केंद्रित दृष्टिकोण को दर्शाता है। विश्व पशु स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, भूटान ने कुत्तों से निपटने में कमाल किया है। कुत्ता जनसंख्या प्रबंधन और रेबीज नियंत्रण कार्यक्रम के तहत भूटान आवारा कुत्तों की 100 प्रतिशत नसबंदी करने वाला पहला देश है।

डोनाल्ड ट्रंप के पूर्व एनएसए जॉन बोल्टन के घर एफबीआई ने मारा छापा

अमेरिकी टैरिफ के खिलाफ उठाई थी आवाज

वॉशिंगटन, 23 अगस्त (एजेंसियां)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के पूर्व राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जॉन बोल्टन के घर पर एफबीआई छापा मारा है। एफबीआई की ओर से यह कार्रवाई दस्तावेजों से संबंधित जांच के तहत की गई है। बता दें कि हाल ही में जॉन बोल्टन ने भारत पर लगाए गए 50 फीसदी अमेरिकी टैरिफ की आलोचना की थी। उन्होंने इसे ट्रंप की बहुत बड़ी भूल करार दिया था।

डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन के एक अधिकारी ने बताया कि यह छापेमारी मैरीलैंड के बेथेस्डा स्थित बोल्टन के घर पर सुबह 7 बजे के आसपास की गई है। यह कार्रवाई एफबीआई निदेशक काश पटेल के निर्देश पर की गई है। छापेमारी शुरू होने के कुछ ही देर बाद काश पटेल ने एक्स पर एक क्रिप्टिक पोस्ट में लिखा था, कोई भी कानून से ऊपर नहीं है, एफबीआई एजेंट मिशन पर हैं। यह घटनाक्रम जॉन बोल्टन द्वारा अमेरिकी टैरिफ नीति पर टिप्पणी करने के कुछ दिनों बाद सामने आया है। उनकी यह टिप्पणी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के बीच अलास्का के एंकोरेज में होने वाली महत्वपूर्ण शिखर वार्ता से एक दिन पहले आई थी। जिसमें उन्होंने भारत पर लगाए गए 50 फीसदी टैरिफ की आलोचना की थी। बता दें कि हाल ही में जॉन बोल्टन ने भारत के साथ टैरिफ प्रकरण पर ट्रंप सरकार को घेरा है। ट्रंप के पूर्व सहयोगी ने कहा था कि अमेरिका ने भारत को रूस और चीन से दूर करने के दशकों पहले से चले आ रहे प्रयासों को खतरे में डाल दिया है। उन्होंने रूस से तेल खरीदने पर अमेरिका की ओर से भारत पर लगाए गए भारी शुल्कों पर बात करते हुए यह बात कही।

कोलंबिया में एयरबेस के पास ट्रक में ब्लास्ट

कोकीन की खेती नष्ट करने जा रहे पुलिस हेलिकॉप्टर पर भी ड्रोन हमला, अबतक 18 की मौत

बोगोटा, 23 अगस्त (एजेंसियां)। कोलंबिया में गुरुवार को दो अलग-अलग हमलों में 18 लोगों की मौत हो गई। कोलंबिया के कैली शहर में गुरुवार को एयर बेस के पास एक ट्रक में बम विस्फोट हुआ। इसमें 6 लोगों की मौत हो गई है, जबकि 71 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक ये धमाका मार्को फिदेल सुआरेज सैन्य एविएशन स्कूल के पास हुआ। इससे कुछ घंटे पहले, कोकीन की फसलों को खत्म करने के लिए जा रहे पुलिसकर्मियों के हेलिकॉप्टर पर ड्रोन से हमला हुआ। इसमें 12 पुलिस अधिकारी मारे गए।

कोलंबिया के राष्ट्रपति गुस्तावो पेत्रो ने कहा कि इन हमलों के पीछे विद्रोही संगठन एफएआरसी के गुटों का हाथ है। एफएआरसी का मकसद कोलंबियन सरकार को उखाड़ फेंकना है। हालांकि, 2016 में एक शांति समझौते के बाद ये संगठन भंग हो गया था, लेकिन कई इलाकों में ड्रग्स

सप्लाई में ये अभी भी एक्टिव है।

कैली के मेयर ने हमले की निंदा की और जिम्मेदार लोगों की जानकारी देने वालों को इनाम देने की घोषणा की। प्रत्यक्षदर्शी ने बताया कि एयर बेस के पास किसी चीज के फटने की तेज आवाज आई।

घटना के बाद आसपास के कई इमारतों और स्कूलों को खाली करा लिया गया है। साथ ही मेयर ने शहर में बड़े ट्रकों के एंट्री पर रोक लगाने की घोषणा की है।

रक्षा मंत्री पेड्रो सांचेज ने विस्फोट को 'आतंकवादी हमला' बताया और इसके लिए 'नार्को कार्टेल (ड्रग्स तस्करी करने वाला गिरोह) ग्रुप गल्फ क्लान' को जिम्मेदार ठहराया है। वहीं, राष्ट्रपति और सैन्य नेतृत्व ने नागरिकों की सुरक्षा के लिए आज एक विशेष बैठक बुलाई है।

कोलंबिया में ड्रग्स की खेती, खासकर कोका की खेती होती है। कोलंबिया दुनिया का सबसे बड़ा कोकीन उत्पादक देश है, जो वैश्विक कोकीन आपूर्ति का लगभग 60-70% हिस्सा पैदा करता है।

कोकीन का पौधा कोलंबिया के दूरदराज और गरीब इलाकों जैसे नारीनो, काउका, पुटुमायो, और कैकेटा में बड़े पैमाने पर उगाया जाता है।

2023 में, कोलंबिया में कोका की खेती 2.5 लाख हेक्टेयर तक पहुंच गई, जो 2022 की तुलना में 10% अधिक है।

कोलंबिया के ग्रामीण इलाकों में गरीबी, बुनियादी ढांचे की कमी और सरकारी उपस्थिति का अभाव कोका की खेती को बढ़ावा देता है। यह स्थानीय किसानों के लिए एक स्थिर आय का माध्यम है, क्योंकि कोका की फसल दूसरी पारंपरिक फसलों (जैसे कॉफी) की तुलना में ज्यादा लाभकारी और कम मेहनत वाली होती है।

ट्रम्प के सलाहकार बोले-भारत रूसी तेल खरीद मुनाफाखोरी कर रहा

इंडियन कंपनी अमेरिकी पैसे से तेल खरीद ऊंचे दाम पर बेचती हैं, इसलिए टैरिफ जरूरी

वॉशिंगटन, 23 अगस्त (एजेंसियां)। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के ट्रेड एडवाइजर पीटर नवारो ने भारत पर रूस से तेल खरीदकर मुनाफाखोरी का आरोप लगाया है। नवारो ने गुरुवार को मीडिया से बात करते हुए कहा कि भारत सस्ते दाम पर रूस से कच्चा तेल खरीद रहा है, इंडियन कंपनियां उसे रिफाइन कर महंगे दाम पर दुनिया में बेच रही हैं। उन्होंने कहा कि इससे रूस को यूक्रेन जंग के लिए पैसा मिल रहा है, जबकि भारत मुनाफा कमा रहा है।

उन्होंने कहा कि वे हमें सामान बेचकर मिलने वाले पैसे से रूसी तेल खरीदते हैं, जिससे तेल कंपनियां खूब पैसा कमाती हैं। इसलिए टैरिफ लगाना जरूरी है।

हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि जंग की शांति का रास्ता भारत से होकर जाता है। नवारो ने कहा,

रूसी तेल खरीदने से भारत पर एक्ट्रा 25% टैरिफ

ट्रम्प ने रूसी तेल खरीदने की वजह से भारत पर 25% अतिरिक्त टैरिफ लगाया है, 27 अगस्त से लागू होगा। इससे पहले ट्रम्प जुलाई में भारत पर 25% टैरिफ लगा चुके हैं, जिससे आने वाले दिनों में भारतीय सामान के आयात पर अमेरिका में 50% टैरिफ देना होगा।

मशहूर अर्थशास्त्री जेफ्री सैक्स ने अमेरिका के भारत पर भारी टैरिफ लगाने के फैसले की आलोचना की है। उन्होंने कहा है कि यह फैसला अमेरिकी विदेश नीति के लिए नुकसान भरा है।

इससे पहले अमेरिका की पूर्व राजदूत निक्की हेली ने चेतावनी दी थी कि अगर अमेरिका-भारत रिश्तों में आई गिरावट को नहीं रोका गया तो यह रणनीतिक गलती होगी।

हेली ने चेताया कि अगर भरोसा टूटा तो 25 साल की मेहनत खराब होगी। उन्होंने कहा कि भारत को लोकतांत्रिक और अहम साझेदार मानना जरूरी है।

अमेरिका में भारतीय मूल के ट्रक ड्राइवर पर दर्ज हुआ हत्या का केस

न्यूयॉर्क, 23 अगस्त (एजेंसियां)। अमेरिका के फ्लोरिडा राज्य में हुए एक भीषण सड़क हादसे के बाद भारतीय मूल के ट्रक ड्राइवर पर वाहन से हत्या का मामला दर्ज हुआ है। इस हादसे में तीन लोगों की मौत हो गई थी। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक आरोपी ट्रक ड्राइवर का नाम हरजिंदर सिंह है। उस पर आरोप है कि उसने फ्लोरिडा की व्यस्त हाईवे पर गलत तरीके से ट्रक मोड़ा, जिससे सामने से आ रही मिनीवैन उससे टकरा गई। वैन में सवार तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई।

जानकारी के मुताबिक 12 अगस्त को फ्लोरिडा की हाईवे पर हरजिंदर सिंह अपने बड़े ट्रेलर ट्रक को चला रहे थे। इस दौरान उन्होंने हाईवे पर केवल आधिकारिक उपयोग वाले रास्ते से अचानक यू-टर्न लिया।

इजराइल ने गाजा सिटी को तबाह करने की धमकी दी

कहा– राफा शहर की तरह मलबे में बदल देंगे, जंग रोकने के लिए 5 शर्तें रखीं

तेल अवीव, 23 अगस्त (एजेंसियां)। इजराइल के रक्षा मंत्री इजराइल काट्ज ने शुक्रवार को गाजा सिटी को पूरी तरह तबाह करने की धमकी दी। काट्ज ने कहा, 'अगर हमास इजराइल की शर्तें नहीं मानेगा तो उसे अंजाम भुगतना होगा।'

यह बयान ऐसे समय में आया जब एक दिन पहले काट्ज ने गाजा सिटी पर कब्जे के लिए सेना को अनुमति दी थी।

काट्ज ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म X पर लिखा- गाजा का हाल राफा और बैत हनून शहरों जैसा हो सकता है, जो मलबे में तब्दील चुके हैं। ठीक जैसा मैंने वादा किया था।

दरअसल, इजराइल ने जंग खत्म करने के बदले सभी कैदियों की एक साथ रिहाई और हमास के पूरी तरह से हथियार डालने समेत 5 शर्तें रखी थी। गाजा में ऐसा ऑप्शनल नागरिक प्रशासन बनाना, जो न तो हमास हो और न ही फिलिस्तीनी प्राधिकरण।

इजराइल में बंधकों के परिवारों ने सभी बंधकों की वापसी और गाजा में जंग को खत्म करने की मांग के लिए 17 अगस्त को तेल अवीव में प्रदर्शन किया था। इजराइल में बंधकों के परिवारों ने सभी बंधकों की वापसी और गाजा

में जंग को खत्म करने की मांग के लिए 17 अगस्त को तेल अवीव में प्रदर्शन किया था। हमास आधे बंधकों को छोड़ने की शर्त पर सीजफायर करने को राजी

हमास ने इजराइल की सभी शर्तों को मानने के बजाय 18 अगस्त को गाजा में सीजफायर और दो चरणों में इजराइली बंधकों की रिहाई के समझौते पर सहमति जताई थी। अमेरिका, मिस्र और कतर की मध्यस्थता के बाद यह प्रस्ताव अमेरिकी दूत स्टीव विटकॉफ ने जून में पेश किया था।

हमास के जबाव पर काट्ज ने 20 अगस्त को गाजा सिटी पर कब्जा करने की योजना को मंजूरी दी। इसके लिए उन्होंने करीब 60 हजार एक्स्ट्रा सैनिकों (रिजर्व फोर्स) को ड्यूटी पर बुलाने का भी आदेश दिया। इजराइल ने गाजा सिटी पर कब्जे के लिए 1.30 लाख सैनिकों को मोर्चे पर तैनात करने का फैसला किया है। सैनिकों को ड्यूटी जॉइन करने से कम से कम 2 हफ्ते पहले नोटिस दिया जाएगा। पहली खेप में 2 सितंबर को करीब 40-50 हजार सैनिक बुलाए जाएंगे। दूसरी खेप नवंबर-दिसंबर में और तीसरी फरवरी-मार्च 2026 में बुलाई जाएगी। गाजा सिटी पर कब्जे के इस अभियान को गिदोन'स चेरिएट्स-बी नाम दिया गया है। इस दौरान पहले से ड्यूटी कर रहे हजारों रिजर्व सैनिकों की सेवा 30-40 दिन और बढ़ा दी जाएगी।

इस कार्रवाई में 5 आर्मी डिवीजन शामिल रहेंगे। इसमें 12 ब्रिगेड-लेवल टीमें होंगी, जिनमें पैदल सेना, टैंक, तोपखाना, इंजीनियरिंग और सपोर्ट यूनिट शामिल होंगी। इसके अलावा गाजा डिवीजन की नॉर्थ और साउथ ब्रिगेड भी हिस्सा लेंगी।

इजराइली सेना ने बताया है कि गाजा सिटी पर कब्जे की तैयारी शुरू हो चुकी है। अभी गाजा सिटी के बाहरी इलाकों में ऑपरेशन चल रहा है। जैतून इलाके में नहल और 7वीं आर्मर्ड ब्रिगेड ऑपरेशन चला रही है। वहीं एक दूसरे इलाके, जबालिया में गिवाती ब्रिगेड कफ्र ऑपरेशन को अंजाम दे रही है।

यह अभियान कई स्टेप में चलेगा। सबसे पहले नागरिकों को गाजा सिटी खाली करने का नोटिस मिलेगा। इसके लिए अंतिम तारीख 7 अक्टूबर 2025 तय की गई है। इसके बाद सेना शहर को चारों तरफ से घेरकर अंदर बढ़ेगी।

पाकिस्तान में 6 लाख मस्जिद तो फैक्ट्री सिर्फ 23,000

पहले इकोनॉमिक सेंसस में बड़ा खुलासा, यूनिवर्सिटी की संख्या करेगी हैरान

इस्लामाबाद, 23 अगस्त (एजेंसियां)। पाकिस्तान में मस्जिदें 6,00,000 से ज्यादा हैं, वहीं फैक्ट्री और कारखानों की संख्या 23,000 पर ही सिमट जाती है। पाकिस्तान के इकोनॉमिक सेंसस से जानकारी सामने आई है। यह देश का पहला सर्वे है, जो दिखाता है कि पाकिस्तान ने आर्थिक विकास से ज्यादा ध्यान धार्मिक गतिविधियों पर दिया है। सेंसस के सामने आने के बाद कई एक्सपर्ट ने इसका संबंध पाकिस्तान की खराब आर्थिक हालत से जोड़ा है।

रिपोर्ट से पता चला है कि पंजाब और कराची में आर्थिक प्रतिष्ठानों और कार्यबल दोनों सबसे ज्यादा हैं। इसमें बताया गया कि पाकिस्तान में 6,00,000 मस्जिदें और 36,000 से ज्यादा धार्मिक मदरसे हैं। इनमें से ज्यादातर पंजाब में हैं। वहीं 6,43,000 छोटी उत्पादन इकाइयों के अलावा केवल 23,000 कारखाने ही देश में हैं।

सेंसस के पता चलता है कि

पाकिस्तान में कुल 4 करोड़ स्थायी इकाइयों में से 72 लाख रोजगार ढांचे ऐसे थे, जहां 2023 तक 2.54 करोड़ लोग काम कर रहे थे। कुल 2.54 करोड़ कार्यबल में सेसबसे बड़ा हिस्सा सेवा क्षेत्र में कार्यरत है, जो 45% या 1.13 करोड़ है। इसके बाद सामाजिक क्षेत्र का स्थान है, जहां 30% या 7.6 करोड़ कर्मचारी कार्यरत हैं।

पंजाब में सबसे बड़ा कार्यबल है, जहां 1.36 करोड़ कर्मचारी कार्यरत हैं, जो उत्पादन और सेवा दोनों क्षेत्रों में अग्रणी है। सिंध में 5.7 करोड़, खैबर पख्तूनख्वामें 40 लाख और बलूचिस्तान में केवल 1.4 मिलियन कर्मचारी कार्यरत हैं। रिपोर्ट से पता चला है कि पाकिस्तान में अधिकांश व्यवसाय छोटे पैमाने के हैं, जिनमें केवल कुछ ही लोग कार्यरत हैं।

अस्पताल, होटल, दुकानें

रिपोर्ट में बताया गया है कि 7.1 करोड़ आर्थिक ढांचे 1 से 50 लोगों को रोजगार देते हैं। 51 से 250 लोगों को रोजगार देने वाली फर्मों की संख्या मात्र 35,351 हैं। देश में केवल 7,086 इकाइयां ऐसी हैं जो 250 से अधिक लोगों को रोजगार देती हैं। सेंसस में जिन 72 लाख प्रतिष्ठानों को जियो-टैग किया गया है।उनमें से प्रमुख वर्गीकरणों में 27 लाख खुदरा दुकानें, 188,000 थोक दुकानें, 256,000 होटल और 119,000 अस्पताल शामिल हैं। इसके अलावा, 242,000 स्कूल, 11,568 कॉलेज, 214 विश्वविद्यालय और 19,645 बैंक भी शामिल हैं।

देश में कुल 242,616 स्कूल हैं, जिनमें से अधिकांश सरकारी हैं, और 11,568 कॉलेज हैं। देश में 214 विश्वविद्यालय, 36,331 मदरसे और 119,789 अस्पताल हैं, जिनमें से अधिकांश निजी क्षेत्र के हैं। पाकिस्तान में अधिकांश संरचनाएं पंजाब में हैं, जहां कुल इमारतों का 58% हिस्सा है। सिंध में 20% और उसके बाद खैबर पख्तूनख्वा में 15% है।

म्यांमार के रोहिंग्या मुस्लिमों ने बांग्लादेश में बनाया नया मोर्चा

अराकान आर्मी के हमलों के बीच अहम फैसला, टेंशन में यूनुस

ढाका, 23 अगस्त (एजेंसियां)। म्यांमार में हिंसा के बाद भागने के मजबूर हुए रोहिंग्या मुस्लिम कई वर्षों से बांग्लादेश में रह रहे हैं। खासतौर से कॉक्स बाजार जिले के शिविर में लाखों की संख्या में रोहिंग्या हैं। कॉक्स बाजार के रोहिंग्या शरणार्थी खुद को राजनीतिक तौर पर संगठित करने पर ध्यान दे रहे हैं। कॉक्स बाजार के हजारों रोहिंग्या शरणार्थियों ने एक नए संयुक्त मोर्चे- रोहिंग्या शांति एवं प्रत्यावर्तन समिति (आरसीपीआर) का गठन किया है। आरसीपीआर को अराकान रोहिंग्या साल्वेशन आर्मी (एआरएसए) और रोहिंग्या सॉलिडेरिटी ऑर्गनाइजेशन (आरएसओ) से समर्थन मिल रहा है। इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि आरसीपीआर अपने संगठन के अध्यक्ष और अन्य पदाधिकारियों के चुनाव के लिए चुनाव आयोजित करेगा। बांग्लादेश की सरकार का भी रोहिंग्याओं की ओर ध्यान है।

कॉक्स बाजार का घटनाक्रम ऐसे समय हुआ है, जब रोहिंग्या गुटों का म्यामांर के विद्रोही गुटों से टकराव बढ़ रहा है। अराकान आर्मी की एआरएसए और आरएसओ के लड़ाकों के साथ गोलीबारी की घटनाएं बढ़ रही हैं। कहा जा रहा है कि रोहिंग्या गुट बांग्लादेशी सेना खुफिया महानिदेशालय के समर्थन से हमले कर रहे हैं।

इसी हफ्ते 20 अगस्त को रखाइन राज्य के मौंगडॉ कस्बे के क्यूं पौक प्यू सू में रोहिंग्या इस्लामी महाज (आरआईएम) कार्यकर्ताओं और अराकान आर्मी के सैनिकों के बीच भीषण गोलीबारी की खबरें सामने आई हैं। अराकान आर्मी के लड़ाकों के आरआईएम लड़ाकों पर काबू पाने का भी दावा किया गया है। उनको हथियारों के अलावा यूनिसेफ बैग मिले। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के हेड मोहम्मद यूनुस इस महीने की शुरुआत में मलेशिया में आसियान देशों के प्रतिनिधियों की बैठक में शामिल हुए थे। यहां निर्णय यह लिया गया कि रोहिंग्याओं की स्वदेश वापसी के तरीके और साधन विकसित करने के लिए म्यांमार के सैन्य शासन के साथ परामर्श किया जाएगा। बांग्लादेश के एनएसए खलीलुर्रहमान अगले महीने न्यूयॉर्क में कॉक्स बाजार के शिविरों में रह रहे 16 लाख रोहिंग्या शरणार्थियों की स्वदेश वापसी के प्रभावी तरीके खोजने के लिए हो रही बैठक में शामिल होने जा रहे हैं। रहमान रोहिंग्या मुद्दे पर बांग्लादेश के उच्च प्रतिनिधि के रूप में भी कार्यरत हैं।

राष्ट्रपति की मंजूरी के बाद ऑनलाइन गेमिंग विधेयक बना कानून

नई दिल्ली, 23 अगस्त (एजेंसियां)। ऑनलाइन गेमिंग संवर्धन व विनियमन विधेयक, 2025 राष्ट्रपति की मंजूरी के बाद अब कानून का रूप ले चुका है। इस कानून के लागू होते ही भारत के ऑनलाइन गेमिंग परिदृश्य में बड़ा बदलाव आ गया है।शुक्रवार को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू संसद से पारित इस विधेयक को अपनी मंजूरी दे दी। इससे पहले लोकसभा से गुरुवार को इस बिल को राज्यसभा से पारित कर दिया गया था। वहीं, बुधवार को इस बिल को लोकसभा ने अपनी हरी झंडी दिखाई थी। इस कानून में ई-स्पोर्ट्स और सोशल गेम्स को तो राहत दी गई है, लेकिन ऑनलाइन मनी गेम्स पर पूरी तरह प्रतिबंध लगाया गया है। इसे लेकर गेमिंग उद्योग जगत और सरकार के मत बंटे हुए हैं। आइए इसके बारे में विस्तार से जानते हैं। ऑनलाइन रियल-मनी गेमिंग उन डिजिटल प्लेटफॉर्म को संदर्भित करता है जहां खिलाड़ी खेलों में भाग लेने के लिए भुगतान करते हैं और नकद पुरस्कार जीत सकते हैं। इनमें नकद दांव और मौद्रिक जीत वाले सभी ऑनलाइन गेम शामिल हैं। सभी ऑनलाइन मनी गेम्स, चाहे वे स्किल पर आधारित हों या किस्मत पर। इसमें ऑनलाइन फैंटेसी स्पोर्ट्स और लॉटरी भी शामिल होंगे। ऐसे खेलों से जुड़े विज्ञापन, प्रमोशन और बैंक या पेमेंट ऐप्स के जरिए होने वाले लेन-देन पर भी प्रतिबंध है। ई-स्पोर्ट्स को वैध खेल का दर्जा मिलेगा। सरकार ट्रेनिंग अकादमियों, शोध और आधिकारिक प्रतियोगिताओं को सहयोग देगी। सामाजिक व शैक्षिक गेम्स को पंजीकृत कर बढ़ावा दिया जाएगा, ताकि बच्चे और युवा सुरक्षित और उम्र के अनुसार खेलों के जरिए मनोरंजन और कौशल विकास कर सकें।

रीयल मनी गेम्स के दिन लदे

नए कानून में सख्त सजा का प्रावधान

मनी गेम्स ऑफर करने पर अधिकतम 3 साल की जेल और एक करोड़ रुपये तक जुर्माना। विज्ञापन करने पर 2 साल की जेल और 50 लाख रुपये जुर्माना। दोहराने पर 3 से 5 साल की जेल और दो करोड़ रुपये तक का जुर्माना। प्रमुख अपराधों को गंभीर और गैर-जमानती श्रेणी में रखा गया है। केंद्र सरकार या नए प्राधिकरण के निर्देशों का पालन न करने पर 10 लाख का जुर्माना, पंजीकरण निलंबन या रद्दीकरण, और संचालन पर प्रतिबंध लग सकता है। मेजबानी और वित्तीय सुविधा से संबंधित अपराधों को भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस), 2023 के तहत स्पष्ट रूप से संज्ञेय और गैर-जमानती घोषित किया गया है।

'पाकिस्तान के साथ द्विपक्षीय खेल संबंध नहीं रखना सही फैसला'

नई दिल्ली, 23 अगस्त (एजेंसियां)। केंद्रीय खेल राज्य मंत्री रक्षा खडसे ने कहा कि सरकार खेलों को प्रोत्साहित करना चाहती है लेकिन देश सबसे पहले आता है। उन्होंने कहा कि पाकिस्तानी खिलाड़ियों के साथ द्विपक्षीय टूर्नामेंट की अनुमति देकर लोगों की भावनाओं को ठेस नहीं पहुंचाई जा सकती।

खेल मंत्रालय द्वारा भारत-पाकिस्तान द्विपक्षीय खेल टूर्नामेंट पर रोक लगाने और केवल बहुपक्षीय प्रतियोगिताओं की अनुमति देने के बारे में पूछे गए एक सवाल के जवाब में खडसे ने पत्रकारों से कहा, ''इन दिनों हमारे संबंध जिस तरह के हैं, विशेषकर ऑपरेशन सिंदूर के बाद से, मुझे लगता है कि यह एक अच्छा फैसला है।'' उन्होंने कहा, 'हमारे लिए देश बहुत महत्वपूर्ण है।

प्रज्ञानंद और गुकेश ने चौथे दौर की बाजी भी ड्रॉ खेली

सेंट लुई, 23 अगस्त (एजेंसियां)। भारतीय ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञानंद ने यहां सिंकफील्ड कप शतरंज टूर्नामेंट के चौथे दौर में अमेरिका के सैमुअल सेवियन के साथ अंक बांटे जबकि विश्व चैंपियन डी गुकेश और फ्रांस के मैक्सिम वाचियर-लाग्रेव के बीच मुकाबला भी बराबरी पर छूटा। अमेरिका के फैबियानो कारुआना ने दिन के एकमात्र निर्णायक गेम में उज्बेकिस्तान के नोदिरबेक अब्दुसत्तोरोव को हराकर लगातार दूसरी जीत दर्ज की। अन्य मुकाबलों में अमेरिका के लेवोन अरोनियन ने पोलैंड के डूडा जान-क्रिस्तोफ के साथ तथा फ्रांस के अलीरेजा फिरोजा ने वेस्ली सो के साथ अंक बांटे।

अभी जबकि पांच दौर का खेल होना बाकी है तब कारुआना तीन अंक के साथ एकल बढ़त पर हैं। उनके बाद प्रज्ञानंद और अरोनियन का नंबर आता है जो 2.5-2.5 अंक के साथ दूसरे स्थान पर हैं।

वेस्ली, फिरोजा, वाचियर-लाग्रेव, सेवियन और गुकेश दो-दो अंक लेकर चौथे स्थान पर हैं। डूडा उनसे आधा अंक पीछे हैं जबकि अब्दुसत्तोरोव आधे अंक के साथ तालिका में सबसे नीचे हैं।

बीसीसीआई का निर्देश–दलीप ट्रॉफी में इंटरनेशनल खिलाड़ियों को शामिल करें

स्टेट एसोसिएशन को लिखा पत्रः साउथ जोन की टीम में सिराज-राहुल का भी नाम नहीं

नई दिल्ली, 23 अगस्त (एजेंसियां)। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने दलीप ट्रॉफी जैसे प्रमुख घरेलू टूर्नामेंट में सेंट्रली-कॉन्ट्रैक्टेड खिलाड़ियों को शामिल करने का सख्त निर्देश जारी किया है। यह कदम तब उठाया गया जब साउथ जोन ने केएल राहुल, मोहम्मद सिराज, वाशिंगटन सुंदर, प्रसिद्ध कृष्णा और साई सुदर्शन जैसे बड़े खिलाड़ियों को अपनी दलीप ट्रॉफी टीम में नहीं चुना। यह टूर्नामेंट 28 अगस्त से बेंगलुरु में शुरू होने वाला है।

बीसीसीआई की ओर से भेजा गया पत्र

पिछले हफ्ते, बीसीसीआई के जनरल मैनेजर (क्रिकेट ऑपरेशंस) अभय कुरुविला ने सभी राज्य क्रिकेट संघों को एक ईमेल भेजा। इसमें उन्होंने दलीप ट्रॉफी को सम्मान देने और इसकी प्रतिस्पर्धा को उच्च स्तर पर बनाए रखने की बात कही। कुरुविला ने लिखा, दलीप ट्रॉफी के रुतबे को बनाए रखने के लिए, सभी उपलब्ध भारतीय खिलाड़ियों को उनकी जोनल टीमों में चुना जाना जरूरी है। जोनल संयोजकों से अनुरोध है कि वे यह सुनिश्चित करें कि सभी उपलब्ध भारतीय खिलाड़ी दलीप ट्रॉफी के लिए चुने जाएं।' पिछले साल बीसीसीआई ने यह नियम बनाया था कि सभी अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों के लिए घरेलू क्रिकेट में हिस्सा लेना अनिवार्य है। यह फैसला तब लिया गया जब कुछ खिलाड़ियों ने आईपीएल को प्राथमिकता दी थी। इस साल जनवरी में ऑस्ट्रेलिया के टेस्ट दौरे के बाद भी बीसीसीआई ने इस नियम को दोहराया था। हालांकि, कई राज्य संघों का मानना है कि बड़े खिलाड़ियों को दलीप या देवघर ट्रॉफी की बजाय इंडिया-ए या बोर्ड प्रेसिडेंट इलेवन के लिए खेलना चाहिए। उनका तर्क है कि रणजी ट्रॉफी में अच्छा प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को मौका नहीं मिलता, क्योंकि बड़े खिलाड़ी सीधे जोनल टीमों में शामिल हो जाते हैं।

एलावेनिल वालारिवन का जलवा, एशियाई निशानेबाजी चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीता

शिमकेंट, 23 अगस्त (एजेंसियां)। भारतीय निशानेबाज एलावेनिल वालारिवान ने शुक्रवार को यहां 16वीं एशियाई चैंपियनशिप की महिलाओं की 10 मीटर एयर राइफल स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता। तमिलनाडु की इस 26 वर्षीय खिलाड़ी ने फाइनल में 253.6 का स्कोर बनाकर शीर्ष स्थान हासिल किया। उन्होंने विश्व कप में कई स्वर्ण पदक जीते हैं और इसके अलावा विश्व चैंपियनशिप में भी शीर्ष स्थान हासिल किया है। चीन की शिनलू पेंग ने 253 अंक के साथ रजत पदक जबकि कोरिया की यूंजी क्वोन (231.2) ने कांस्य पदक जीता। इस स्पर्धा में भाग ले रही एक अन्य भारतीय खिलाड़ी मेहुली घोष आठ निशानेबाजों के फाइनल में 208.9 अंक हासिल करके चौथे स्थान पर रहीं।

कौन हैं एलावेनिल?

एलावेनिल वालारिवान भारत की स्टार निशानेबाजों में से एक हैं। उन्होंने हाल के वर्षों में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश का नाम रोशन किया है। वे विशेष रूप से 10 मीटर एयर राइफल इवेंट में प्रतिस्पर्धा करती हैं। एलावेनिल का जन्म दो अगस्त 1999 को तमिलनाडु में हुआ था और उनका पालन-पोषण गुजरात में हुआ। उन्होंने बहुत कम उम्र में निशानेबाजी की ओर रुझान दिखाया और जल्द ही राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेना शुरू किया।

उनकी सबसे बड़ी उपलब्धियों में से एक है 2019 में आईएसएसएफ विश्व कप (म्यूनिख और रियो डी जनेरियो) में स्वर्ण पदक जीतना, जिससे वह इस इवेंट में शीर्ष भारतीय महिला शूटरों में शामिल हो गईं। इसके अलावा उन्होंने 2018 आईएसएसएफ जूनियर विश्व कप में भी शानदार प्रदर्शन करते हुए भारत को कई पदक दिलाए। एलावेनिल ने 2021 टोक्यो ओलंपिक के लिए कोटा हासिल करने वाली भारतीय टीम का भी हिस्सा रहीं। वे लगातार विश्व रैंकिंग में शीर्ष 10 शूटरों में बनी रही हैं और उनका शांत स्वभाव व अनुशासन उन्हें एक कुशल खिलाड़ी बनाता है।

श्रीलंका के पास शानदार टीम, जो विपक्षी टीम को मजबूत चुनौती दे सकती है - थिसारा परेरा

नई दिल्ली, 23 अगस्त (एजेंसियां)। एशिया कप की शुरुआत 9 सितंबर से होगी, जिसमें श्रीलंकाई टीम को ग्रुप-बी में रखा गया है। श्रीलंका के पूर्व क्रिकेटर थिसारा परेरा के मुताबिक इस टूर्नामेंट में श्रीलंकाई खेमा विपक्षियों को मजबूत चुनौती दे सकता है। थिसारा परेरा ने आईएएनएस से कहा, मुझे लगता है कि इस वक्त श्रीलंकाई टीम सही दिशा में है। उम्मीद करता हूं कि वह भविष्य में बेहतर करेंगे।

मैं उनको शुभकामनाएं देता हूं कि वह अपने देश के लिए शत प्रतिशत दें। मुझे लगता है कि हमारे पास शानदार टीम है, जो विपक्षी टीम को शानदार चुनौती दे सकती है। एशिया कप में श्रीलंका को ग्रुप-बी में रखा गया है। इस ग्रुप में श्रीलंका के साथ बांग्लादेश, हांगकांग और अफगानिस्तान की टीमें भी हैं।

बीसीसीआई ने क्रिकेट सिलेक्शन कमेटी के लिए आवेदन मंगाया

स्पोर्ट्स डेस्क, 23 अगस्त (एजेंसियां)। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने शुक्रवार को मेंस सीनियर क्रिकेट टीम सिलेक्शन कमेटी के सदस्य के दो पद के लिए आवेदन मंगाए हैं। बीसीसीआई ने ट्वीट कर इसकी जानकारी दी। बीसीसीआई ने इकसे अलावा विमेंस टीम सिलेक्शन कमेटी के लिए चार और जूनियर मेंस के लिए एक पद के लिए आवेदन मंगाया हैं। आवेदन भरने की आखिरी तारीख 10 सितंबर है। रिपोर्ट के मुताबिक, बीसीसीआई ने चीफ सिलेक्टर अजीत अगरकर का कॉन्ट्रैक्ट बढ़ा दिया है। फिलहाल, सिलेक्शन कमेटी में अगरकर, एसएस दास, सुब्रतो बनर्जी, अजय रात्रा और एस शरत शामिल हैं।

लेकिन ऐसा माना जा रहा है कि सितंबर में होने वाली एनुअल जरनल बॉडी मीटिंग के बाद सीनियर सिलेक्शन कमेटी में कुछ बदलाव देखने को मिलेंगे। शरत सितंबर 2021 में जूनियर सिलेक्शन कमेटी के अध्यक्ष थे और जनवरी 2023 में सीनियर सिलेक्शन कमेटी में प्रमोट हुए थे।

ऑस्ट्रेलिया बनाम दक्षिण अफ्रीका : लगातार दूसरे वनडे में फ्लॉप हुआ टी20 का सुपरस्टार

नई दिल्ली, 23 अगस्त (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अफ्रीका के बीच तीन वनडे मैचों की सीरीज खेली जा रही है। इस सीरीज से पहले दोनों देशों के बीच तीन टी20 मैचों की सीरीज भी खेली गई थी। टी20 सीरीज में बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले डेवाल्ड ब्रेविस वनडे सीरीज में अपना प्रभाव छोड़ने में असफल रहे हैं।

डेवाल्ड ब्रेविस ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी20 सीरीज के दूसरे मैच में तूफानी शतक लगाया था। मात्र 56 गेंदों में 12 चौके और 8 छक्के की मदद से नाबाद 125 रन की पारी उनके बल्ले से निकली थी। इसके बाद तीसरे टी20 में भी उन्होंने 26 गेंद पर 6 छक्के की मदद से 53 रन की पारी खेली। दो दमदार पारियों के बाद क्रिकेट साउथ अफ्रीका ने डेवाल्ड ब्रेविस को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ वनडे सीरीज में डेब्यू का मौका दिया। ब्रेविस ने वनडे करियर की शुरुआत दमदार की पहले मैच की पहली ही गेंद पर छक्का लगाया, लेकिन इसके अगले ही गेंद पर वह आउट हो गए। शुक्रवार को दूसरे वनडे में भी उनका बल्ला नहीं चला और 5 गेंद पर 1 रन बनाकर आउट हो गए। दोनों मैचों में उनके पास क्रीज पर रुकने और बड़ी पारी खेलने का समय था, लेकिन वे असफल रहे। डेवाल्ड ब्रेविस महज 22 साल के हैं। उनका नाम दक्षिण अफ्रीकी बल्लेबाजी के भविष्य के रूप में लिया जाता है। उनमें फैंस एबी डिविलियर्स का अक्स भी देखते हैं। यही वजह है कि उन्हें 'बेबी एबी' भी कहा जाता है।

ब्रेविस ने दक्षिण अफ्रीका के लिए 2 टेस्ट, 2 वनडे और 10 टी20 खेले हैं। टेस्ट में 1 अर्धशतक लगाते हुए 84, वनडे में 7 और टी20 में 1 शतक और 1 अर्धशतक लगाते हुए उन्होंने 318 रन बनाए हैं। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीसरे वनडे की प्लेइंग इलेवन में अगर ब्रेविस को मौका मिलता है, तो उन्हें अच्छी पारी खेलनी होगी। नहीं तो, इस फॉर्मेट से उन्हें ड्रॉप किया जा सकता है।

यूएस ओपन 2025 : सबालेंका को रायबाकिना से मिल सकती है चुनौती

नई दिल्ली, 23 अगस्त (एजेंसियां)। न्यूयॉर्क में होने वाले 2025 यूएस ओपन टेनिस टूर्नामेंट के लिए विमेंस के सिंगल्स ड्रॉ की घोषणा की गई। मौजूदा चैंपियन एरीना सबालेंका को इस बार खिताब बचाने के लिए कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ सकता है, क्योंकि उनका ड्रॉ काफी मुश्किल दिख रहा है। पिछले साल सबालेंका ने अमेरिका की जेसिका पेगुला को फाइनल में हराकर अपना पहला यूएस ओपन खिताब जीता था। इसके साथ ही वह आठ साल बाद पहली ऐसी महिला बनीं, जिन्होंने एक ही सीजन में दोनों हार्ड-कोर्ट ग्रैंड स्लैम (ऑस्ट्रेलियन ओपन और यूएस ओपन) जीते।

सबालेंका को टूर्नामेंट में दूसरी सीड दी गई है

बेलारूस सबालेंका को टूर्नामेंट में दूसरी सीड दी गई है। वह अपने खिताब बचाव की शुरुआत स्पेन की रेबेका मासारोवा के खिलाफ करेंगी। तीसरे राउंड में उनकी भिड़ंत 2021 की फाइनलिस्ट लेलाह फर्नांडिस से हो सकती है, जो हाल ही में सिटी ओपन में चैंपियन बनी थीं और 31वीं वरीयता प्राप्त हैं। अगर सबालेंका चौथे राउंड तक पहुंचती हैं, तो उनका सामना नौवीं वरीयता प्राप्त कजाकिस्तान की एलेना रायबाकिना से हो सकता है। रायबाकिना ने पिछले हफ्ते सिनसिनाटी ओपन में सबालेंका को सीधे सेटों में हराया था। क्वार्टर फाइनल पार करने पर सेमीफाइनल में सबालेंका की टक्कर फिर से जेसिका पेगुला से हो सकती है। पेगुला पहला राउंड मिस्र की मायार शरीफ के खिलाफ खेलेंगी और उनकी क्वार्टर फाइनल में पांचवीं वरीयता प्राप्त मिर्रा एंड्रीवा से भिड़ंत हो सकती है।

गॉफ और स्विएटेक एक ही ग्रुप में

कोको गॉफ और इगा स्विएटेक एक ही ग्रुप में हैं। दोनों ही यूएस ओपन का खिताब जीत चुकी हैं। दुनिया की नंबर एक खिलाड़ी स्विएटेक पहले राउंड में कोलंबिया की एमिलियाना अरांगो से भिड़ेंगी। तीसरे राउंड में उनकी मुलाकात 29वीं वरीयता प्राप्त अन्ना कालिन्सकाया से हो सकती है, जबकि चौथे राउंड में 13वीं वरीयता प्राप्त एकातेरिना अलेक्जेंड्रोवा चुनौती पेश कर सकती हैं। अलेक्जेंड्रोवा ने पिछले साल मियामी ओपन में स्विएटेक को हराया था। क्वार्टर फाइनल में स्विएटेक का सामना विंबलडन फाइनलिस्ट और आठवीं वरीयता प्राप्त अमांडा अनिसिमोवा से हो सकता है।

एशिया कप में बिना स्पॉन्सर के खेलेगी टीम इंडिया

नई दिल्ली, 23 अगस्त (एजेंसियां)। भारत की सबसे बड़ी फैंटेसी गेमिंग कंपनी ड्रीम11 अपना रियल मनी गेमिंग (आरएमजी) कारोबार बंद करने जा रही है। कुछ मीडिया रिपोर्ट्स में ये दावा किया गया है। यह फैसला भारत सरकार द्वारा हाल ही में पास किए गए ऑनलाइन गेमिंग बिल 2025 के बाद लिया गया है। इस बिल के तहत ऑनलाइन रियल मनी गेम्स पर पूरी तरह से पाबंदी है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक ड्रीम11 की पेरेंट कंपनी ड्रीम स्पोर्ट्स ने यह जानकारी अपने कर्मचारियों को 20 अगस्त को एक इंटरनल टाउनहॉल मीटिंग में दी। ड्रीम11 भारतीय क्रिकेट टीम और आईपीएल जैसे बड़े टूर्नामेंट्स का प्रमुख स्पॉन्सर रहा है। ऐसे में ये भी खबरें है कि टीम इंडिया एशिया कप में बिना स्पॉन्सर के खेलेगी। 21 अगस्त 2025 को राज्यसभा ने और उससे एक दिन पहले लोकसभा ने प्रमोशन एंड रेगुलेशन ऑफ ऑनलाइन गेमिंग बिल 2025 को मंजूरी दी।

राखी पहलवान का आमरण अनशन शुरू

ससुरालियों ने घर से निकाला, विदेश भागा पति दरोगा ससुर ने भी किया बुरा व्यवहार

गाजियाबाद, 23 अगस्त (एजेंसियां)। महिला पहलवान राखी ने अपने और लाखों महिलाओं के लिए न्याय की मांग को लेकर आज से गाजियाबाद जिला मुख्यालय पर अनिश्चितकालीन धरना और आमरण अनशन शुरू किया है। राखी ने अपने ससुराल वालों पर बिना किसी कारण के उन्हें घर से निकालने और उनके सम्मान व मेहनत का अपमान करने का गंभीर आरोप लगाया है। उन्होंने यह भी बताया कि पुलिस और प्रशासन ने उनकी मदद करने के बजाय उन्हें और उनके बुजुर्ग माता-पिता को धमकियां दी हैं।

राखी पहलवान ने घोषणा की है कि जब तक उन्हें और उनके जैसी अन्य महिलाओं को पूर्ण न्याय नहीं मिलता, वे अनिश्चितकालीन धरना और आमरण अनशन जारी रखेंगी। उन्होंने कहा, यह अनशन मेरे लिए नहीं, बल्कि उन तमाम बहन-बेटियों के लिए है जो अपने हक के लिए लड़ रही हैं। उन्होंने समाज से अपील की है कि वे उनके साथ खड़े हों और अन्याय के खिलाफ आवाज उठाएं। राखी ने कहा, ₹हमारी ताकत हमारी एकता में है। मेरे साथ खड़े हों, ताकि हम एक ऐसा समाज बना सकें जहां हर महिला को सम्मान, सुरक्षा और समानता मिले।

राखी ने बताया कि उनकी शादी 9 जुलाई 2024 को गाजियाबाद के अवंतिका कॉलोनी निवासी भुवनेश कुमार से हुई थी। शुरू में सब ठीक था, लेकिन कुछ समय बाद ससुराल वालों का व्यवहार बदल गया। उनके पति, जो मुंबई में नौकरी करते हैं, ने उन्हें धोखा देकर विदेश चले गए और उनके नंबर ब्लॉक कर दिए। ससुर, जो उत्तर प्रदेश पुलिस में दारोगा हैं, ने भी उनके साथ बुरा व्यवहार किया। राखी का कहना है कि ससुराल वालों ने उन्हें तलाक के लिए दबाव बनाया, लेकिन वे तलाक नहीं चाहतीं, बल्कि अपने ससुराल में सम्मान के साथ स्वीकार किया जाना चाहती हैं। राखी के इस आंदोलन को कई संगठनों और सामाजिक कार्यकर्ताओं का समर्थन मिल रहा है। गाजियाबाद जिला मुख्यालय पर उनके धरने और अनशन को देखते हुए स्थानीय लोग और संगठन उनके समर्थन में जुट रहे हैं। सोशल मीडिया पर भी उनकी मांगों को लेकर चर्चा तेज हो गई है। अब तक प्रशासन और पुलिस की ओर से इस मामले में कोई ठोस कार्रवाई की जानकारी सामने नहीं आई है। राखी ने चेतावनी दी है कि अगर उनकी मांगें पूरी नहीं हुईं, तो वे अपने अनशन को और तेज करेंगी। राखी ने अपने ससुराल वालों पर बिना किसी कारण के उन्हें घर से निकालने का आरोप लगाया है। वे मांग करती हैं कि घरेलू हिंसा अधिनियम के तहत उनके मामले की तुरंत और निष्पक्ष सुनवाई हो और दोषियों को सजा दी जाए। साथ ही, यह स्पष्ट किया जाए कि उनके साथ ऐसा व्यवहार क्यों किया गया। राखी का आरोप है कि पुलिस ने उन्हें और उनके परिवार को धमकाया है। वे मांग करती हैं कि यह जांच हो कि किसके आदेश पर उन्हें धमकियां दी गईं।

पहली बार कर रहे हैं गणेश स्थापना तो इन 5 बातों का रखें खास ध्यान

उज्जैन.हिन्दू धर्म में गणेश चतुर्थी पर्व का विशेष महत्व होता है। यह त्योहार भगवान गणेश के जन्मोत्सव के रूप में मनाया जाता है। सनातन धर्म में कोई भी शुभ या मांगलिक कार्य करने से पहले भगवान गणेश की पूजा की जाती है। गणेश चतुर्थी भाद्रपद मास के कृष्ण पक्ष की चतुर्थी को मनाई जाती है। घर-घर में गणपति भगवान की स्थापना की जाती है। इस दिन लोग अपने घरों में भगवान गणेश की प्रतिमा की स्थापना करते हैं और विधिपूर्वक पूजा-अर्चना करते हैं। यह पर्व गणेश उत्सव के 10 दिनों की शुरुआत का भी प्रतीक है, जिसे गणपति भक्त बड़े धूमधाम से मनाते हैं, लेकिन अगर पहली बार गणेश जी की स्थापना कर रहे हैं, तो किन बातों का ध्यान रखना चाहिए।

हिंदू पंचांग के अनुसार, भाद्रपद माह की चतुर्थी तिथि की शुरुआत 26 अगस्त को दोपहर 01 बजकर 54 मिनट से होगी। वहीं, इसका समापन 27 अगस्त को लदोपहर 03 बजकर 44 मिनट पर होगा। पंचांग को देखते हुए गणेश चतुर्थी का पर्व 27 अगस्त को शुरू होगा और इसी दिन गणेश स्थापना की जाएगी।

कौनसी प्रतिमा घर लाना शुभ?

– घर मे ज़ब भी भगवान की प्रतिमा घर लाएं तो यह जरूर देखें कि भगवान गणेश की सूंड उनके बाईं तरफ झुकी हो। वैसी मूर्ति बहुत शुभ मानी जाती है। ऐसे में प्रतिमा घर लाने से पहले इस बात का ध्यान जरूर रखें।

– भगवान की प्रतिमा का चयन करें तो कोशिश करें कि भगवान गणेश की बैठी हुई प्रतिमा ही घर लाएं। इससे घर में हमेशा सुख समृद्धि का वास होता है।

– हमेशा भगवान कि हसमुख प्रतिमा ही घर लाएं और इस बात का भी ध्यान रखें कि प्रतिमा में उनका एक हाथ आशीर्वाद देते हुए हो और दूसरे हाथ में मोदक हो।

कैसे करें गणपति बप्पा की स्थापना?

– हमेशा भगवान की प्रतिमा ईशान कोण में स्थापित करनी चाहिए और मुख उत्तर दिशा में रखें। उसके बाद भगवान गणेश की प्रतिमा को चौकी पर रखने से पहले उसे अच्छे से साफ कर लें और गंगाजल छिड़कर शुद्ध करें।

– बप्पा के प्रतिमा के अगल- बगल में रिद्धि-सिद्धि को रखें। इनकी जगह पर आप उनके रूप में सुपारी भी रख सकते हैं। भगवान की मूर्ति के दाई ओर एक कलश रखें और उसमें जल भर दें। इसके बाद हाथ में फूल और अक्षत लेकर गणपति बप्पा का ध्यान करें।

ध्यान करने में मन नहीं लगता तो क्या करना चाहिए

संत की सीख: शांति चाहते हैं तो अहंकार और लालच जैसी बुराइयों से बचें

आज सुख-सुविधाओं की चीजों की कोई कमी नहीं है, लेकिन फिर भी कई लोगों का मन अशांत ही रहता है। एक प्रेरक लोक कथा है, जिसमें एक संत ने एक व्यापारी को बताया था कि सच्ची शांति बाहरी नहीं, बल्कि आंतरिक होती है। संत ने व्यापारी को शांति पाने के सूत्र बताए थे, पढ़िए ये लोक कथा...

पुराने समय में एक धनी व्यापारी था, जिसके पास अपार धन-संपत्ति, बड़ा घर, नौकर और सभी तरह की सुख-सुविधाएं थीं, लेकिन फिर भी उसका मन हमेशा अशांत रहता था। उसे हमेशा चिंता, तनाव और असंतोष घेरे रहते थे। उसके जीवन में कोई स्पष्ट समस्या नहीं थी, फिर भी उसे ऐसा लगता था कि कुछ कमी है।

वह अपने व्यापार के सिलसिले में एक गांव से दूसरे गांव की यात्रा करता रहता था। एक दिन, यात्रा के दौरान उसे रास्ते में एक आश्रम दिखाई दिया। वातावरण में शांति और हरियाली थी। ये देखकर वह थोड़ा आकर्षित हुआ और आश्रम के भीतर चला गया।

आश्रम के अंदर एक संत ध्यानमग्न मुद्रा में बैठे हुए थे। व्यापारी ने उन्हें प्रणाम किया और अपनी परेशानी उनके सामने रख दी। उसने कहा, "गुरुजी, मेरे पास सब कुछ है, लेकिन फिर भी मन बेचैन रहता है। मुझे समझ नहीं आता कि मैं शांति कैसे प्राप्त करूं।"

संत मुस्कराए और बोले, "यदि तुम शांति चाहते हो तो थोड़ी देर यहां बैठकर ध्यान करो। भीतर की ओर देखो।"

व्यापारी ने प्रयास किया। वह ध्यान मुद्रा में बैठा, लेकिन उसका मन कभी व्यापार के नुकसान की चिंता करने लगा, तो कभी घर के मामलों की। मन में इधर-उधर की बातों का जाल बुनता रहा। काफी देर कोशिश करने के बाद भी वह ध्यान नहीं लगा सका और संत के पास वापस लौट आया।

उसने निराश होकर कहा, "गुरुदेव, मैं कोशिश कर रहा हूं, लेकिन ध्यान नहीं लग पा रहा है। मन तो जैसे वश में ही नहीं आता।"

संत ने कहा, "ठीक है, चलो मेरे साथ। आश्रम में थोड़ा घूम आते हैं।" दोनों आश्रम के अंदर टहलने लगे। तभी एक पेड़ के पास व्यापारी का हाथ एक शाखा से टकराया और उसे कांटा चुभ गया। वह दर्द से कराह उठा। संत तुरंत दौड़े और एक औषधीय लेप लाकर उसके घाव पर लगा दिया।

संत ने कहा, "बेटा, जिस प्रकार तुम्हारे हाथ में कांटा चुभा और तुम्हें दर्द हुआ, ठीक उसी प्रकार तुम्हारे मन में भी अनेक कांटे चुभे हुए हैं— क्रोध, अहंकार, ईर्ष्या, लालच, और असंतोष, ये सब मन के लिए कांटों की तरह हैं। जब तक इन कांटों को नहीं निकालोगे, तब तक मन ध्यान में नहीं लगेगा और शांति भी नहीं मिलेगी।"

संत की ये बात सीधे व्यापारी के हृदय में उतर गई। उसने अनुभव किया कि वास्तव में उसकी अशांति का कारण बाहरी दुनिया नहीं, बल्कि उसके अंदर की नकारात्मक भावनाएं हैं। उसने संत से दीक्षा ली और उनके शिष्य के रूप में आश्रम में रहकर साधना शुरू की।

धीरे-धीरे उसने अपने जीवन में बदलाव लाना शुरू किया। क्रोध की जगह क्षमा, अहंकार की जगह विनम्रता, और लालच की जगह दान की भावना विकसित की। उसने अपने धन का उपयोग समाज सेवा में करना शुरू किया, गरीबों की सहायता, विद्यालयों का निर्माण, और जरूरतमंदों की मदद करना उसका उद्देश्य बन गया।

कुछ ही समय में वह व्यापारी, जो कभी अशांत और तनावग्रस्त था, अब शांत, संतुलित और संतोषपूर्ण जीवन जीने लगा। उसे अब किसी भौतिक वस्तु की कमी महसूस नहीं होती थी, क्योंकि उसने आत्मिक शांति प्राप्त कर ली थी।

लोक कथा की सीख

इस लोक कथा से हमें एक महत्वपूर्ण जीवन संदेश मिलता है, सच्ची शांति बाहरी संपत्ति से नहीं, बल्कि आंतरिक शुद्धता और भावनात्मक संतुलन से मिलती है। जब तक हम अपने भीतर के कांटों को नहीं निकालते, तब तक कोई भी साधना या प्रयास सफल नहीं हो सकता।

बच्चों को मां-बाप का प्यार चाहिए, नौकरानी की सेवा नहीं

प्रेमानंद महाराज की सलाह

हाल ही में आध्यात्मिक गुरु प्रेमानंद महाराज का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हुआ, जिसमें उन्होंने बच्चों के पालन-पोषण को लेकर कुछ ऐसी बातें कहीं, जो आज के माता-पिता के दिल को छू गईं। वीडियो में एक पिता अपनी परेशानी साझा करते हैं कि वह और उनकी पत्नी अपनी ढाई साल की बेटी के साथ पर्याप्त समय नहीं बिता पा रहे, जिससे उन्हें लगातार चिंता रहती है। इस पर महाराज ने जो जवाब दिया, उसने न केवल उस पिता को, बल्कि हजारों लोगों को सोचने पर मजबूर कर दिया।

प्रेमानंद महाराज ने बड़ी सहजता से यह बात कही कि बच्चों को पैसा नहीं, मां-बाप का समय और प्यार चाहिए। उन्होंने कहा, "अगर हम किसी के लिए पैसा कमा रहे हैं, लेकिन उसे अपना समय नहीं दे पा रहे, तो उस पैसे का क्या मतलब?" इस कथन ने लोगों को यह सोचने पर मजबूर कर दिया कि क्या हम अपने बच्चों की ज़रूरतें केवल चीज़ों से पूरी कर सकते हैं, या फिर हमारे साथ की अहमियत कहीं ज़्यादा है।

इस वीडियो की सबसे चर्चित पंक्ति रहीः "बच्चों को मां के प्यार की ज़रूरत होती है, नौकरानी की सेवा की नहीं।" इस बात ने इंटरनेट पर बहस छेड़ दी। एक ओर जहां कुछ लोगों ने इस पर सहमति जताई कि माता-पिता की भूमिका को किसी भी कीमत पर किसी और को नहीं सौंपा जा सकता, वहीं दूसरी ओर कुछ कामकाजी महिलाओं ने अपनी स्थिति सामने रखी।

एक उपयोगकर्ता ने लिखा, "गुरुजी, ऐसा नहीं है कि कामकाजी महिलाएं अपने बच्चों को प्यार या समय नहीं देतीं। मैं भी नौकरी करती हूं और अपने बच्चों को पूरा समय और स्नेह देती हूं।" यह बात बताती है कि समाज में अब एक नई सोच बन रही है, जहां मां-बाप दोनों घर चलाने और बच्चों की परवरिश में संतुलन बनाने की कोशिश कर रहे हैं।

हालांकि प्रेमानंद महाराज ने करियर छोड़ने की बात नहीं कही, लेकिन उनका ज़ोर इस बात पर था कि माता-पिता को अपने बच्चों के साथ भावनात्मक जुड़ाव बनाए रखने के लिए सचेत प्रयास करने चाहिए। उन्होंने चेतावनी दी कि अगर बचपन में बच्चे मां-बाप का स्नेह नहीं पाते, तो बड़े होकर वे वही दूरी बना लेते हैं।

एक और यूज़र ने लिखा, "अगर हम अपने बच्चों से दोस्त की तरह पेश आएंगे, तो वे भी हर बात हमारे साथ साझा करेंगे। यही रिश्ते की गहराई होती है।" ऐसे कमेंट्स से यह बात स्पष्ट होती है कि आज की पीढ़ी सिर्फ परंपरा नहीं, अनुभव और समझदारी से बच्चों को बड़ा करना चाहती है।

बढ़ती महंगाई, दोहरी कमाई की ज़रूरत और घरों में नौकरों पर बढ़ती निर्भरता ने माता-पिता के सामने नई चुनौतियां खड़ी कर दी हैं। ऐसे में प्रेमानंद महाराज का यह संदेश लोगों को यह याद दिलाता है कि जीवन में पैसा ज़रूरी है, लेकिन अपने बच्चों के लिए हमारी मौजूदगी उससे कहीं ज़्यादा मायने रखती है।

गया में पितरों की मोक्ष प्राप्ति के लिए अब घर बैठे करें ई-पिंडदान

पितृ पक्ष कुछ दिनों में शुरू होने वाला है। ऐसे में कई लोग हैं, जो गया नहीं जा पाते हैं। बता दें कि 6 सितंबर से 21 सितंबर तक पितृपक्ष के दौरान श्रद्धालु पितरों को तर्पण व पिंडदान को लेकर गयाजी प्रतिवर्ष आते हैं। पितृपक्ष को लेकर बिहार राज्य पर्यटन विकास निगम (बीएसटीडीसी) ने पितृपक्ष मेले में आने वाले श्रद्धालुओं के लिए विशेष यात्रा पैकेज की घोषणा की है।

इसके जरिए श्रद्धालुओं को न केवल स्थल पर पहुंच कर पिंडदान करने का मौका मिलेगा, बल्कि घर बैठे ऑनलाइन धार्मिक अनुष्ठान को पूरी करने में मदद मिलेगी। इससे बड़ी संख्या में भी लोग गया पहुंच पाएंगे।

जो श्रद्धालु खुद यात्रा नहीं कर सकते हैं। उनके लिए ई-पिंडदान सेवा उपलब्ध कराई जाएगी। इसके तहत देश-विदेश में रहने वाले श्रद्धालु 23 हजार रुपये पिंडदान करवा सकेंगे। ये सेवा गयाजी के विष्णुपद मंदिर, अक्षयवट और फलगु नदी पर अनुष्ठान कराने की सुविधा देगी।

पिंडदान करने के समय पुरोहित, पूजन सामग्री, दक्षिणा शामिल है। पिंडदान के समय अलग से श्रद्धालुओं को पुरोहित को दक्षिणा नहीं दिया जाएगा।

श्रद्धालु पिंडदान करने के बाद आसपास के धार्मिक व ऐतिहासिक स्थलों का भ्रमण करेंगे। बिहार राज्य पर्यटन विकास निगम ने 5 प्रकार के टूर पैकेज निकाला है। जहां पर लोग बड़ी संख्या में शामिल हो रहे हैं।

श्रद्धालु पर्यटन निगम के वेबसाइट पर ऑनलाइन पैकेज के तहत बुकिंग करा सकते हैं। पैकेज का शुल्क अलग-अलग है। इसमें आने जाने, ठहरने से लेकर खाने-पीने की सुविधा है।

गयाजी में पिंडदान के बाद श्रद्धालुओं को पुनपुन नालंदा और राजगीर भ्रमण वाले पैकेज में एक रात और दो दिनों की सुविधा मिलेगी। पहली श्रेणी में 21,100 रुपये से लेकर 40,700 रुपये है। दूसरी श्रेणी में 19,950 रुपये से लेकर 38,500 रुपये शुल्क है। तीसरे श्रेणी में 18,850 रुपये से लेकर 36,250 रुपये शुल्क है।

पैसे की तंगी और बिज़नेस में रुकावटें?

फिटकरी का महत्व

फिटकरी को लोग आमतौर पर पानी शुद्ध करने या घाव भरने में इस्तेमाल करते हैं, लेकिन ज्योतिष और टोटके में इसका एक अलग ही स्थान है।

माना जाता

है कि फिटकरी नकारात्मक ऊर्जा को खत्म करती है और रुका हुआ पैसा वापस लाने में मदद करती है। खासकर जब बिज़नेस बार-बार घाटे में जा रहा हो या पैसा हाथ में टिकता ही न हो, तब फिटकरी से किए गए कुछ उपाय कारगर साबित हो सकते हैं।

फिटकरी से बिज़नेस की रुकावट कैसे दूर करें

अगर आपका बिज़नेस ठीक से नहीं चल रहा और लगातार दिक्कतें आ रही हैं, तो आप फिटकरी का ये उपाय कर सकते हैं:

1. फिटकरी को तवे पर पिघलाएं

सबसे पहले आप एक टुकड़ा फिटकरी लें और उसे लोहे के तवे पर गर्म करें। जब फिटकरी पिघलेगी तो पानी जैसी हो जाएगी। थोड़ी देर बाद जब वह ठंडी होगी तो बिल्कुल बताशे जैसी दिखाई देने लगेगी।

2. नमक के साथ मिलाएं

अब इस फिटकरी को मिक्सी में पीस लें और उसमें थोड़ा सा नमक मिला लें।

3. कुल्ला करें

रोज सुबह इस फिटकरी और नमक के मिश्रण से कुल्ला करें। कहते हैं कि ऐसा करने से नकारात्मकता खत्म होती है और रुका हुआ पैसा वापस आने लगता है।

लोग कहां गलती करते हैं

अक्सर लोग फिटकरी का सही तरीका नहीं अपनाते। कुछ लोग उसे सीधे ब्रश पर लगा लेते हैं, कोई उसे सिर्फ मुंह पर मल लेता है, लेकिन असली असर तभी मिलता है जब इसे तवे पर पिघला कर, सुखा कर और फिर नमक के साथ मिलाकर इस्तेमाल किया जाए।

फिटकरी से जुड़े फायदे

1. बिज़नेस में आ रही अड़चनों को दूर करने में मदद मिलती है।
2. नकारात्मक ऊर्जा हटती है और माहौल पॉजिटिव होता है।
3. रुका हुआ पैसा वापस आने की संभावना बढ़ती है।
4. घर-परिवार में शांति और सुख का माहौल बनता है।

ध्यान रखने वाली बातें

1. ये उपाय श्रद्धा और विश्वास के साथ करें।
2. फिटकरी का इस्तेमाल करते समय मन शांत रखें।
3. इसे रोजाना करना ज़रूरी है तभी असर देखने को मिलेगा।

न यंत्र, न मशीन: फिर भी एक दिन में बना ये भव्य मंदिर जहां एक साथ नहीं जा सकते मामा–भांजा

छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा जिले के बारसूर गांव में स्थित मामा-भांजा मंदिर, अपनी अनोखी कहानी के लिए पूरी दुनिया में मशहूर है। 11वीं शताब्दी में राजा बाणासुर ने इस मंदिर का निर्माण करवाया था, जिसे मामा-भांजा शिल्पकारों ने एक ही दिन में तैयार किया।

इस मंदिर को खास बलुई पत्थरों से बनाया गया है। ऊंची-ऊंची दीवारों पर उकेरे गए शैलचित्र उस समय की अद्भुत शिल्पकला और कारीगरी की झलक पेश करते हैं। मंदिर के शीर्ष के नीचे मामा और भांजा शिल्पकारों की प्रतिमाएं भी बनी हुई हैं।

मंदिर के गर्भगृह में भगवान शिव, गणेश और नरसिंह की प्रतिमाएं विराजमान हैं। इसे मुख्य रूप से शिव और गणेश का मंदिर माना जाता है। यहां आने वाले भक्त आस्था और चमत्कारिक कारीगरी दोनों का अनुभव करते हैं।

किवदंती है कि बिना आधुनिक साधनों के, सिर्फ एक दिन में विशाल पत्थरों को काटकर, तराशकर और जोड़कर इस मंदिर का निर्माण किया गया। यह काम आज भी लोगों को चमत्कार जैसा प्रतीत होता है।

इस मंदिर से जुड़ी मान्यता बेहद रोचक है कहा जाता है कि मामा और भांजा एक साथ मंदिर में प्रवेश नहीं कर सकते। मान्यता है कि ऐसा करने से उनके रिश्तों में मतभेद हो जाता है। यही वजह है कि आज भी लोग इस परंपरा को मानते हैं।

संसार में कई प्रकार के दोष और दुख हैं, ऐसा विचार ही जीवन में निराशा लाता है

यहां बहुत कुछ वैसा है जो अच्छा नहीं है, ये संसार कई प्रकार के दोष और दुखों से भरा हुआ है, ऐसे विचार ही हमारे मन में गहरी निराशा लाते हैं। इन विचारों की वजह से वैराग्य तो नहीं आता, लेकिन मन में चुप्पी आ जाती है। ये विचार हमारे मन को दुर्बल बनाते हैं। इनसे बचना चाहिए, संसार में ऐसी चीजें भी हैं, जिससे लाभान्वित हुआ जा सकता है, आगे बढ़ा जा सकता है।

-स्वामी अवधेशानंद जी गिरि

यंग एक्ट्रेस के साथ काम करने पर बोले माधवन

एक्टर आर. माधवन ने हाल ही में अपनी उम्र, करियर के फैसलों और रिश्तों में बराबरी को लेकर खुलकर बात की। माधवन हाल ही में फिल्म आप जैसा कोई में नजर आए थे। इस फिल्म में उन्होंने 40 साल के एक ऐसे शख्स का रोल निभाया जो दुल्हन की तलाश में है। बातचीत में उन्होंने कहा, सबसे पहले आपको उम्र का एहसास तब होता है जब आपके बच्चों के दोस्त आपको अंकल बुलाने लगते हैं। ये सुनकर झटका लगता है, लेकिन फिर आपको मानना पड़ता है। माधवन ने बताया कि इस एहसास का असर उनके काम पर भी पड़ा। उन्होंने कहा, जब आप फिल्में करते हैं तो हीरोइन चुनने में सावधानी रखनी पड़ती है। क्योंकि भले ही वे अभी भी आपके साथ काम करना चाहती है, लेकिन ऐसा लगता है कि एक्टर फिल्म के बहाने मस्ती कर रहा है। लोगों को लगता है कि ये पिक्चर के बहाने ऐश कर रहा है। अगर फिल्म से ऐसा मैसेज जाता है, तो किरदार के लिए रिस्पेक्ट नहीं रहती। उन्होंने कहा आगे ये भी कहा, मुझे ये भी समझ आ गया है कि अब मेरा शरीर 22 साल के लड़के जैसा नहीं है। इसलिए मेरे लिए जरूरी है कि मैं वही काम करूं जो मेरी उम्र और जिन लोगों के साथ मैं काम कर रहा हूं, उनके हिसाब से सही लगे, ताकि चीजें अजीब या गलत न लगें।

माधवन ने अपनी शादी और रिश्ते की बराबरी पर भी विचार शेयर किए। उन्होंने कहा कि मेरे माता-पिता भी एक-दूसरे से गहराई से प्यार करते थे। वही चीज मैं और मेरी पत्नी सरिता में भी है, लेकिन मेरे पिता के समय जो बराबरी का मतलब था, वह आज अलग है। अब हमें खुद तय करना पड़ता है कि बराबरी का असली मतलब क्या है। उन्होंने एक उदाहरण देते हुए कहा कि कभी-कभी दरवाजा खोलना या किसी महिला के लिए दरवाजा पकड़ना कुछ लोगों को बुरा लग सकता है, लेकिन इसका मतलब ये नहीं कि आदमी कुछ गलत करना चाहता है, वो तो बस अपने तौर-तरीके निभा रहा होता है। हमारी पितृसत्तात्मक सोच वाली समाज में, अगर कोई पति अपनी पत्नी को काम करने देता है तो उसे बड़ा दिल वाला माना जाता है, लेकिन सही तरीका ये है कि कहें- 'मुझे गर्व है कि मेरी पत्नी काम कर रही है।

एक चतुर नार के लिए झुग्गी झोपड़ी में रहीं दिव्या खोसला

अक्सर फिल्मी जगत में कई हस्तियां अपने किरदारों के लिए काफी मेहनत और तैयारी करते हैं। कोई अपनी बॉडी पर काम करता है तो कोई अपनी भाषा पर। अभिनेत्री दिव्या खोसला ने भी अपनी आने वाली फिल्म 'एक चतुर नार' के लिए कुछ ऐसा ही किया है, लेकिन उनकी रोल के लिए तैयारी ने थोड़ा चौंका दिया है। दरअसल दिव्या ने खुलासा किया है कि उन्होंने फिल्म के किरदार को समझने के लिए लखनऊ की एक झुग्गी में रहकर वहां की जिंदगी को महसूस किया।

किरदार में ढलने के लिए असली जिंदगी का अनुभव

'एक चतुर नार' में दिव्या एक झुग्गी में रहने वाली महिला की भूमिका निभा रही हैं। इस किरदार को असली बनाने के लिए उन्होंने केवल स्क्रिप्ट पर भरोसा नहीं किया, बल्कि खुद उस जिंदगी को जिया। लखनऊ की एक झुग्गी में बिना मेकअप, साधारण सलवार-कमीज और गले में काले धागे के साथ कुछ दिन बिताए, ताकि वह किरदार की भावनाओं और परिस्थितियों को गहराई से समझ सकें। अपने सोशल मीडिया पर उन्होंने इस अनुभव को साझा करते हुए लिखा, यह एक अनोखा और जीवन बदल देने वाला अनुभव रहा। इसने मुझे उस जीवन की झलक दिखाई, जो अक्सर हमारी आंखों से दूर होता है।

12 सितंबर को होगी रिलीज

'एक चतुर नार' को उमेश शुक्ला, आशीष वाघ और जीशान अहमद ने प्रोड्यूस किया है। यह फिल्म 12 सितंबर 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। हालांकि कहानी के बारे में ज्यादा जानकारी अभी साझा नहीं की गई है, लेकिन फिल्म का टोन हल्का-फुल्का, चुटीला और शायद कुछ हद तक व्यंग्यात्मक भी नजर आ रहा है।

फिल्म का फर्स्ट लुक पोस्टर आया सामने

फिल्म के पहले पोस्टर में दिव्या एक गृहिणी के किरदार में नजर आ रही हैं। उनके हाथों में सब्जियां हैं और चेहरे पर एक मुस्कान। वहीं, नील नितिन मुकेश, जो इस फिल्म में उनके साथ मुख्य भूमिका में हैं, फॉर्मल सूट में बंदूक थामे खड़े हैं। पोस्टर से ही साफ है कि यह फिल्म किसी गंभीर विषय को पर्दे पर लेकर आने वाली है।

नोरा फतेही का 'डांस विद नोरा' अकादमी खोलने का सपना हुआ साझा

ग्लोबल स्टार और परफॉर्मर नोरा फतेही ने इस हफ्ते अपने फैंस को एक यादगार तोहफ़ा दिया। 'ओह मामा! टेटेमा' सिंगर नोरा अचानक मुंबई के कई डांस स्टूडियोज़ में पहुँचीं और वहाँ मौजूद डांसर्स को उनके लेटेस्ट कोरियोग्राफी पर डांस करते देखकर भावुक हो गईं। उनकी इस अप्रत्याशित मौजूदगी ने साधारण वर्कशॉप को एक जादुई अनुभव में बदल दिया। फैंस के प्यार और उनकी कहानियाँ सुनकर नोरा ने पहली बार यह खुलासा किया कि वह अपनी खुद की 'डांस विद नोरा' अकादमी शुरू करना चाहती हैं। सोशल मीडिया पर इस अनुभव को साझा करते हुए उन्होंने लिखा— यह मुझे जल्द से जल्द अपनी डांस विद नोरा अकादमी शुरू करने के लिए प्रेरित कर रहा है। आप सभी का इतना प्यार देने के लिए शुक्रिया! आप सब से मिलकर मैं खुद को सबसे भाग्यशाली महसूस कर रही हूँ।

नोरा के सरप्राइज़ विजिट के दौरान स्टूडियो का माहौल भावनाओं से भर गया। कुछ फैंस की आँखों में आँसू थे तो कुछ की मुस्कान में खुशी छलक रही थी। लोगों को विश्वास ही नहीं हो रहा था कि उनकी फेवरेट स्टार उनके साथ स्टूडियो में डांस कर रही हैं। विशेष बात यह रही कि नोरा ने सिर्फ हाथ हिलाकर या सेल्फी देकर ही अपने फैंस को खुश नहीं किया, बल्कि खुद डांस वर्कशॉप्स में हिस्सा लिया। बच्चों और युवाओं के साथ कंधे से कंधा मिलाकर डांस किया और उनके व्यक्तिगत अनुभव भी सुने। यही जुड़ाव उन्हें औरों से अलग करता है। नोरा का 'डांस विद नोरा' कैंपेन पहले ही बच्चों और युवाओं को अपनी कला दिखाने का मंच दे चुका है। वह न सिर्फ उनकी वीडियोज़ को रीपोस्ट करके उन्हें प्रोत्साहित करती हैं, बल्कि मौके पर पहुँचकर उनकी मेहनत को सराहती भी हैं। जहाँ एक ओर उनकी गाने 'ओह मामा! टेटेमा' की धूम दुनिया भर में मची हुई है और आने वाली फ़िल्म 'कंचना 4' से उनका करियर और बुलंदियों पर पहुँचने वाला है, वहीं मुंबई के वे स्टूडियो और वहाँ मौजूद फैंस के लिए असली जादू उनकी सादगी और अपनापन रहा।

आलिया भट्ट-शरवरी की फिल्म में नजर आएंगे बॉबी देओल

बॉलीवुड की मच अवेटेड फिल्म वॉर 2 सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है और इसके साथ ही यशराज फिल्म्स की एक और स्पाई यूनिवर्स की फिल्म को लेकर भी नई जानकारी सामने आ रही है। वॉर 2 के पोस्ट-क्रेडिट सीन में अभिनेता बॉबी देओल भी नजर आ रहे हैं। हालांकि ये कोई मामूली झलक नहीं बल्कि आलिया भट्ट और शरवरी वाघ की अपकमिंग फिल्म अल्फा को लेकर बड़ा अपडेट रहा। क्या है पूरा मामला, चलिए आपको बताते हैं। ऋतिक रोशन और जूनियर एनटीआर की फिल्म वॉर 2 के पोस्ट-क्रेडिट सीन का एक सीन वायरल हो रहा है, जिसमें बॉबी देओल की शक्ल साफ तौर पर देखी जा रही है। इस सीन में बॉबी देओल एक लड़की के हाथ पर एंजेसी का स्टैंप लगाते हुए नजर आ रहे हैं। जब लड़की उनसे पूछती हैं कि ये क्या है तो वो अल्फा का नाम लेते हैं।

चमत्कारों में विश्वास करती हूं

टीवी एक्ट्रेस श्रद्धा आर्या जन्मदिन इस बार उनके लिए बेहद खास रहा, क्योंकि उन्होंने पहली बार अपने जुड़वां बच्चों, बेटे शौर्य और बेटी सिया, के साथ जश्न मनाया। श्रद्धा ने अपने परिवार के साथ इस खूबसूरत पल की तस्वीरें सोशल मीडिया हैंडल पर साझा कीं। श्रद्धा आर्या ने इंस्टाग्राम पर अपने पति और दोनों जुड़वां बच्चों के साथ बेहद ही प्यारी तस्वीरें शेयर कीं। श्रद्धा ने काली ऑफ-शोल्डर ड्रेस में बेहद खूबसूरत लग रही हैं, जबकि उनके पति राहुल नागल ने काली शर्ट और नीली जींस पहनी हुई है। दोनों अपने बच्चों के साथ कैमरे के सामने मुस्कुराते नजर आए। श्रद्धा ने लिखा, एक और साल बड़ी हो गई, लेकिन इस बार मेरा सबसे प्यारा नाम है - मां। मेरे जुड़वां बच्चे मेरे लिए सबसे बड़ा जश्न हैं।

श्रद्धा को सेलेब्स ने दी जन्मदिन की बधाई

श्रद्धा आर्या को कई सेलेब्स ने जन्मदिन की बधाई देते हुए कमेंट किए हैं। मीका सिंह ने लिखा, बधाई हो, मौनी रॉय ने दिल वाले इमोजी शेयर बनाए, पूजा बनर्जी ने लिखा, खूबसूरत बच्चे और खूबसूरत मां और माही विज ने लिखा, जन्मदिन मुबारक हो मां। वहीं कई फैंस ने श्रद्धा को जन्मदिन की शुभकामनाएं दी हैं और कुछ फैंस ने उनकी इस पोस्ट पर लाल दिल वाले इमोजी बनाए हैं।

श्रद्धा आर्या का निजी जीवन

मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, श्रद्धा की निजी जिंदगी की बात करें तो 2015 में उनकी सगाई जयंत रत्ती से हुई थी, लेकिन यह टूट गई। 2019 में उन्होंने आलम सिंह मक्कड़ के साथ रिश्ता शुरू किया, लेकिन वह भी ज्यादा समय नहीं चला। आखिरकार, 16 नवंबर 2021 को श्रद्धा ने भारतीय नौसेना अधिकारी राहुल नागल से शादी की। सितंबर 2024 में उन्होंने बताया कि वे अपने पहले बच्चे की उम्मीद कर रहे हैं और 29 नवंबर 2024 को उनके जुड़वां बच्चों का जन्म हुआ।

हर आदमी-औरत को एक-दूसरे की जरूरत है

टीवी शो कहीं तो होगा से ऐक्ट्रेस सुरवीन चावला ने करियर शुरू किया था। इसके बाद हेट स्टोरी-2, अग्ली जैसी फिल्मों से उन्होंने बड़े पर्दे पर अपनी काबिलियत साबित की। वहीं, सेक्रेड गेम्स, क्रिमनल जस्टिस जैसी वेब सीरीज से उन्होंने ओटीटी पर अपना जलवा बिखेरा। इन दिनों वह अपनी एक और वेब सीरीज मंडला मर्डर्स को लेकर चर्चा में हैं। खास बातचीत में उन्होंने कई पहलुओं पर चर्चा की। पर्सनल और प्रोफेशनल लाइफ के बीच परस्पर तालमेल बिठाकर चलने वाली अदाकारा ने इस मुलाकात में हमसे एक अच्छी मां की परिभाषा भी साझा की है।

मैंने इनकार करना भी सीखा है

कहते हैं ना कि इंसान कितनी भी कोशिश करे पर वही होता है, जो मंजूर-ए-खुदा होता है। हमारे प्लान से कोई फर्क नहीं पड़ता। आप लक्ष्य अपने दिमाग में रख सकते हैं लेकिन वहां पहुंचने के कई रास्ते हो सकते हैं। ये जरूरी नहीं कि सिर्फ एक ही तरह से मंजिल पर पहुंचा जाए। आप जो चीजें चुनते हो वो यह तय करती हैं कि आगे का रास्ता कैसा हो सकता है। मेरे कंट्रोल में जो चीजें हैं, उन पर ध्यान देती हूं। किसी भी काम के लिए हां, बोलना बेशक आसान होता है लेकिन मैंने इनकार करना भी सीख लिया है। मेरे हिसाब से ना बोलना बहुत ज्यादा मुश्किल होता है। वो ना आपने जो भी अब तक काम किया हुआ है,

उसकी क्लास को दर्शाता है। सुरवीन लगातार काम कर रही हैं। ऐसे में वह अपनी पर्सनल और प्रोफ्रेशनल लाइफ के बीच किस तरह तालमेल बैठा पा रही हैं? इस पर अदाकारा कहती हैं कि लगातार काम करके मुझे बहुत मजा आ रहा है। मैं खुद को भाग्यशाली मानती हूं कि अपने परिवार की वजह से बाहर आकर काम कर पाती हूं। कहते हैं ना कि हर आदमी-औरत को एक-दूसरे की जरूरत होती है। हमारे साथ भी वही है। हम दोनों एक-दूसरे के सपोर्ट से आराम से काम कर पा रहे हैं।

आप जो करेंगे, बच्चा भी वही करेगा

हर मां अपने आप में अच्छी है लेकिन मैं मदरहुड से ज्यादा पैरंटहुड की बात करूंगी क्योंकि मुझे लगता है कि अपने बच्चे को हम सीख समझा-बुझा कर नहीं दे सकते। इसके लिए आपको उदाहरण सेट करना पड़ता है। आप जैसा लोगों के साथ बर्ताव करेंगे, बच्चा भी वही करेगा। आपकी आदतों को भी वो वैसे ही फॉलो करेगा। अगर मैं खुद को ही हमेशा पीछे रखूंगी तो वो भी तो मेरा बच्चा देखेगा ना। इसका भी असर उस पर पड़ेगा।

पत्नी और मां से पहले एक इंसान हूं

अगर अपनी जरूरतों को पूरा नहीं करूंगी तो नाखुश रहूंगी। मैं यही मानती हूं कि जो इंसान खुद खुश है, वो ही दूसरों को भी खुशी दे सकता है। एक पत्नी, एक मां से पहले मैं भी एक इंसान हूं तो यह जरूरी नहीं कि मैं इन सब बातों को ध्यान में रखकर ही हमेशा कुछ सोचूं। बतौर सुरवीन भी तो मैं बहुत कुछ सोच सकती हूं ना।

25 सितम्बर से शुरू होगा यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो : राकेश सचान

नोएडा (चेतना मंच)। उत्तर प्रदेश इंटरनेशनल ट्रेड शो (यूपीआईटीएस-2025) के सफल आयोजन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए कैबिनेट मंत्री, एमएसएमई, खादी एवं ग्रामोद्योग, रेशम उद्योग, हथकरघा एवं वस्त्र, उत्तर प्रदेश सरकार राकेश सचान की अध्यक्षता में तैयारियों को लेकर एक उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई।

यूपीआईटीएस-2025, जो उत्तर प्रदेश सरकार एवं इंडिया एक्सपोज़िशन मार्ट लिमिटेड (आईईएमएल) द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित किया जा रहा है, जो 25 से 29 सितम्बर 2025 तक इंडिया एक्सपो सेंटर एंड मार्ट, ग्रेटर नोएडा में आयोजित होगा। 'अल्टिमेट सोर्सिंग बिगिन्स हियर' की थीम पर आधारित यह ट्रेड शो विस्तृत प्रदर्शनी श्रेणियाँ, केंद्रित बी2बी मीटिंग्स, अंतर्राष्ट्रीय खरीदार प्रतिनिधिमंडल, ओडीओपी शोकेस और एक्सपोर्ट प्रमोशन ज़ोन प्रस्तुत करेगा।अपर मुख्य सचिव आलोक कुमार ने कहा कि यूपीआईटीएस-2025 अपने पिछले संस्करणों से भी अधिक सफल होगा। उन्होंने कहा, 'यह हमारे उद्यमियों, कारीगरों और उद्योगों के लिए निर्यात का द्वार है। सरकार सभी हितधारकों के बीच निर्बाध समन्वय सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है, ताकि यह आयोजन प्रभावशाली साबित हो और हमें ट्रिलियन-डॉलर अर्थव्यवस्था के लक्ष्य की ओर अग्रसर करे।'इंडिया एक्सपो सेंटर एंड मार्ट अध्यक्ष डॉक्टर राकेश कुमार और सीईओ, इंडिया एक्सपोज़िशन मार्ट लिमिटेड सुदीप सरकार ने माननीय मंत्री एवं वरिष्ठ अधिकारियों को यूपीआईटीएस-2025 की तैयारियों के बारे में विस्तार से अवगत कराया।

इस वर्ष 3.25 लाख युवाओं को रोजगार का लक्ष्य : अनिल राजभर

नोएडा (चेतना मंच)। ग्रेटर नोएडा स्थित होटल रेडिसन ब्लू में रोजगार मिशन इंडस्ट्री कनेक्ट-2025 कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन कैबिनेट मंत्री, श्रम एवं सेवायोजन, उत्तर प्रदेश अनिल राजभर, राज्य मंत्री, श्रम एवं सेवायोजन, उत्तर प्रदेश मनोहर लाल 'मन्नू कोरी' प्रमुख सचिव, श्रम एवं सेवायोजन, उ.प्र. डॉ. एम.के.एस. सुध्रम, निदेशक, सेवायोजन, उ.प्र नेहा प्रकाश एवं अपर निदेशक, सेवायोजन प्रशिक्षण एवं सेवायोजन निदेशालय, उ.प्र. पीके पुंडीर द्वारा दीप प्रज्ज्वलन कर किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित उत्तर प्रदेश सरकार के श्रम एवं सेवायोजन मंत्री अनिल राजभर ने कहा कि देश एवं प्रदेश को विकसित बनाने के लिए 65 प्रतिशत युवा आबादी को रोजगार उपलब्ध कराना आवश्यक है और यह कार्य उद्योगों तथा संस्थाओं के सहयोग के बिना संभव नहीं है। उन्होंने कहा कि भारत को वर्ष 2047 तक विकसित राष्ट्र बनाने का संकल्प युवाओं को आत्मनिर्भर बनाकर ही पूरा किया जा सकता है। सरकार का लक्ष्य इस वर्ष 25 हजार युवाओं को विदेशों में तथा 3 लाख युवाओं को देश के भीतर रोजगार से आच्छादित करना है।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उत्तर प्रदेश सरकार के श्रम एवं सेवायोजन राज्य मंत्री मनोहर लाल 'मन्नू कोरी' ने कहा कि शिक्षा और रोजगार एक-दूसरे के पूरक हैं। युवाओं को शिक्षित एवं प्रशिक्षित कर ही उन्हें रोजगार से जोड़ा जा सकता है।

प्रमुख सचिव, श्रम एवं सेवायोजन विभाग, उ.प्र. शासन डॉ. एम.के.एस. सुध्रम ने अपने संबोधन में कहा कि सरकार की विभिन्न रोजगारपरक योजनाओं के परिणाम सुखद हैं तथा बेरोजगारी दर में कमी आई है।

निदेशक, सेवायोजन, उत्तर प्रदेश नेहा प्रकाश ने अपने स्वागत संबोधन में कार्यक्रम की रूपरेखा, आयोजन की महत्ता और विभाग द्वारा चलाए जा रहे विभिन्न कार्यक्रमों की जानकारी दी। अपर निदेशक, सेवायोजन प्रशिक्षण एवं सेवायोजन निदेशालय, उत्तर प्रदेश, लखनऊ पीके पुंडीर ने कहा कि संस्थानों को जोड़ने का कार्य कर रहा है। उन्होंने विभागीय योजनाओं का पीपीटी के माध्यम से प्रेज़ेंटेशन भी प्रस्तुत किया।

इस अवसर पर माननीय कैबिनेट मंत्री अनिल राजभर ने विभागीय कार्यक्रमों से संबंधित बुकलेट का विमोचन किया। कार्यक्रम में विभिन्न प्रतिष्ठित कंपनियों के एच.आर. प्रतिनिधि तथा शैक्षिक एवं व्यावसायिक संस्थानों के प्रतिनिधि भी उपस्थित रहे, जिन्हें प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया गया।

फोनरवा ने पीजी पाठ्यक्रम शुरू करने की मांग की उच्च शिक्षा मंत्री से

नोएडा (चेतना मंच)। उत्तर प्रदेश सरकार के उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय फोनरवा के अध्यक्ष योगेन्द्र शर्मा के सेक्टर-45 स्थित आवास पर रात्रिभोज हेतु आगमन हुआ। इस अवसर पर योगेन्द्र शर्मा व अन्य लोगों ने पुष्पगुच्छ भेंट कर मंत्री का स्वागत किया एवं उनसे मार्गदर्शन प्राप्त किया।

इस दौरान योगेन्द्र शर्मा ने मंत्री से चर्चा के दौरान शहर की शिक्षा व्यवस्था से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण मुद्दों पर विस्तार से संवाद किया। साथ ही, शहर के मध्य स्थित राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम प्रारंभ कराने की मांग प्रमुख रूप से रखी। मंत्री ने सभी मुद्दों को ध्यानपूर्वक सुना एवं समाधान का आश्वासन दिया। इस मौके पर शहर के गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

इस मौके पर फोनरवा के महामंत्री व वरिष्ठ भाजपा नेता अशोक मिश्रा, समाजसेवी व फोनरवा संरक्षक त्रिलोक शर्मा आदि लोग मौजूद रहे।

गौतमबुद्धनगर कमिश्नरेट IGRS पोर्टल पर फिर नम्बर-1

गौतमबुद्धनगर। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में जनसुनवाई प्रणाली (आसईजीआरएस) को बेहतर और पारदर्शी बनाने की दिशा में लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। इस बार भी आईजीआरएस प्रणाली में गौतमबुद्धनगर कमिश्नरेट ने शीर्ष स्थान प्राप्त किया है।मुख्यमंत्री के सामने पुलिस कमिश्नर, एसएसपी और एसपी स्तर पर रिपोर्ट रखी गई थी जिसमें गौतमबुद्धनगर ने सबसे अधिक संतुष्ट फीडबैक हासिल कर शीर्ष स्थान प्राप्त किया, जबकि जिलाधिकारी स्तर पर श्रावस्ती जिले ने बाजी मारी।

गौतमबुद्धनगर की पुलिस कमिश्नर श्रीमती लक्ष्मी सिंह द्वारा कमिश्नरेट गौतमबुद्धनगर में नियुक्त डॉ प्रवीण रंजन सिंह को पुलिस उपायुक्त की रैंक पर पदोन्नति होने पर रैंक प्रतीक लगाकर शुभकामनाएं दी गई तथा पुष्पगुच्छ भेंट कर उनके उज्जवल भविष्य की कामना की गई।

आपको बता दें कि गौतमबुद्धनगर पुलिस कमिश्नरेट की पुलिस आयुक्त श्रीमती लक्ष्मी सिंह के नेतृत्व में गौतमबुद्धनगर पुलिस कमिश्नरेट पिछले कई महीनों से आईजीआरएस पोर्टल पर अव्वल आ रही है। जुलाई माह की रिपोर्ट के अनुसार पुलिस स्तर पर गौतमबुद्धनगर 98.72 प्रतिशत संतुष्ट फीडबैक के साथ पहले स्थान पर रहा। इसके बाद पीलीभीत (98.23%), बलिया (96.04%), बस्ती (95.43%) और श्रावस्ती (95.14%) का स्थान रहा। इन जिलों ने शिकायतों के समयबद्ध और प्रभावी निस्तारण में बेहतर कार्य किया है।

वहीं जिलाधिकारी स्तर पर श्रावस्ती जिला 90.2 प्रतिशत संतुष्ट फीडबैक के साथ शीर्ष पर रहा। इसके बाद शाहजहांपुर (89.08%), बलरामपुर (83.44%), हमीरपुर (82.15%) और बरेली (80.11%) रहे। इन जिलों में डीएम स्तर पर की गई कार्यवाही से शिकायतकर्ताओं को संतुष्टि मिली है।

मुख्यमंत्री योगी का सख्त संदेश

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने स्पष्ट निर्देश दिए कि शिकायत जिस अधिकारी से संबंधित हो, उसकी जांच उसी अधिकारी को न दी जाए। शिकायतों की जांच उच्चाधिकारियों से कराना अनिवार्य किया जाए ताकि न्याय और पारदर्शिता बनी रहे। सीएम योगी ने यह भी कहा कि यदि स्पेशल क्लोज अनुचित पाया जाता है तो प्रस्तावित करने वाले अधिकारी/कर्मचारी पर विभागीय कार्यवाही की जाए। जिलास्तर पर एडीएम/अतिरिक्त मजिस्ट्रेट, एएसपी, डीसीपी या अन्य वरिष्ठ अधिकारी को नामित किया जाए, जो स्पेशल क्लोज करने से पहले शिकायतकर्ता से वार्ता कर उसे संतुष्ट करने का प्रयास करे।

नोएडा में गुलशन मॉल पर 10 लाख का जुर्माना

नोएडा (चेतना मंच)। नोएडा प्राधिकरण द्वारा बल्क वेस्ट निकालने वाले सोसाइटी और मॉल का निरीक्षण किया जा रहा है। इस क्रम में शुक्रवार को प्राधिकरण की जन स्वास्थ्य विभाग की टीम ने सेक्टर-129 स्थित गुलशन मॉल का निरीक्षण किया। यहां बल्क वेस्ट के निवारण को लेकर काफी कमियां मिली। ऐसे में प्राधिकरण की टीम ने गुलशन मॉल प्रबंधन पर 10 लाख रुपए का जुर्माना लगाया।

प्राधिकरण अधिकारी इंदू प्रकाश सिंह ने बताया कि निरीक्षण के दौरान मिला कि यहां बल्क वेस्ट का सेग्रीगेशन , भंडारण और निवारण करने में सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट के नियमों का पालन ठीक तरीके से नहीं किया जा रहा है। कचरा अनाधिकृत कबाि?यों को दिया जा रहा है। ये लोग कचरा स ?क पर फेंक रहे है।

नोएडा में सिंगल यूज प्लास्टिक बैन है। इसके बाद भी मॉल के अंदर दुकानदार प्रतिबंधित प्लास्टिक का प्रयोग करते पाए गए। ऐसे में प्राधिकरण ने गुलशन मॉल पर 10 लाख का जुर्माना लगाया। साथ ही चेतावनी दी कि दोबारा ऐसा नहीं होना चाहिए। अन्यथा लीज डीड की शर्तो के अनुसार एक्शन लिया जाएगा।

मनीषा हत्याकांड के विरोध में निकाला कैंडल मार्च

नोएडा (चेतना मंच)। मनीषा हत्याकांड के खिलाफ सेक्टर-39 नोएडा में हजारों की संख्या में लोगों कैंडल मार्च निकाला। मोमबत्तियों की रोशनी और आंखों में आंसुओं के बीच हर किसी के दिल में बस एक ही आवाज थी 'मनीषा को न्याय दो, दोषियों को फांसी दो।'

इस कैंडल मार्च का नेतृत्व जावेद खान (अध्यक्ष गौतमबुद्धनगर यूथ कांग्रेस व पूर्व विधायक), राजीव भाई नवादा (समाजसेवी), रितिक प्रधान (छात्र सभा जिला उपाध्यक्ष समाजवादी पार्टी), चौधरी सनी प्रधान (नोएडा समाजसेवी), तथा पंडित श्याम सुंदर दीक्षित (भारतीय किसान यूनियन भानु, जिला महासचिव) ने किया।

इसके साथ ही अमन (नई बस्ती), मनीष पाली व बन्टी पाली, विशाल (सर्फ़ाबाद), कुणाल (सर्फ़ाबाद), राकेश, सोनू चड्ढा और

सोनू समेत कई स्थानीय लोगों ने बढ़-चढ़कर भागीदारी की। नेताओं और समाजसेवियों ने साफ कहा कि यह केवल मनीषा की लड़ाई नहीं है बल्कि पूरे समाज की लड़ाई है। जब तक अपराधियों को कठोरतम सजा नहीं मिलती, यह आंदोलन जारी रहेगा। लोगों ने हरियाणा सरकार और केन्द्र सरकार से अपील की कि दोषियों को तत्काल कड़ी से कड़ी सजा दी जाए और ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए ठोस कदम उठाए जाएं।

घरेलू नौकर ने चुराया 80 लाख का सोना, पुलिस ने दबोचा

नोएडा (चेतना मंच)। थाना सेक्टर-142 पुलिस ने घर में चोरी की वारदात करने वाले घरेलू सहायक को गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार आरोपी के कब्जे से पुलिस ने आठ सोने के आयताकार सिक्के बरामद किए हैं। जिनकी कुल कीमत करीब 80 लाख रुपये है। इसके अलावा 5 लाख 71 हजार 200 रुपये नकद और एक नाजायज चाकू भी पुलिस के हाथ लगा है।

डीसीपी सेंट्रल नोएडा शक्ति मोहन अवस्थी ने बताया कि 17 अगस्त को पैरामाउंट फ्लोरविला सोसायटी सेक्टर-137 में रहने वाले वादी सतीश सिन्हा ने अपने घरेलू सहायक कृष्ण कुमार पांडे उर्फ चुम्मा पर घर से सोने और नकदी चोरी करने का आरोप लगाते हुए थाना सेक्टर-142 पुलिस को शिकायत दी थी। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू की थी। पुलिस टीम लगातार आरोपी की तलाश में जुटी थी।

थाना सेक्टर-142 पुलिस को मैनुअल इंटेलिजेंस व गोपनीय सूचना मिली कि आरोपी जीएमआईटी पार्क के पास ग्रीन बेल्ट गेट पर मौजूद है। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए घेराबंदी कर आरोपी को दबोच लिया। उसकी तलाशी लेने पर चोरी किए गए आठ सोने के सिक्के बरामद किए गए।

पुलिस के अनुसार आरोपी कृष्ण कुमार पांडे (22) निवासी गांव भालुहीपुर थाना टाउन भोजपुर बिहार घरेलू सहायक बनकर घरों में प्रवेश करता और विश्वास जीतने के बाद मौका मिलते ही कीमती सामान व नकदी पर हाथ साफ कर देता था। उन्होंने बताया कि आरोपी को गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम को 25 हजार रूपये के ईनाम की घोषणा भी की गई है।